हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 35 ● भिलाई, शनिवार 22 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

बच्चे की खरीद फरोख्त में तीन गिरफ्तार

बर्द्धमान । एक लाख रुपये में दो माह के बच्चे को खरीदने के मामले सामने आने से आसनसोल में सनसनी फैल गई है। ई-मेल के जरिए मिली शिकायत के बाद आसनसोल उत्तर थाने की पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान उत्तर धादका इलाके में एक दंपती के कब्जे से दो माह 13 दिन के बच्चे को बरामद किया गया। मामले में दंपती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार दंपती की पहचान विनोद कुमार गुप्ता (47) और बबीता गुप्ता (37) के रूप में हुई है। दोनों आसनसोल के उत्तर धाधका लाल बंगला इलाके के निवासी हैं। बताया जा रहा है कि विनोद कुमार राज्य सरकार के राशन डीलर हैं। इनके अलावा धादका रोड निवासी अशोक भवालका को भी बिचौलिए के रूप में गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में दंपती ने बच्चे को अपना जैविक पुत्र बताया था। हालांकि, पुलिस की जांच आगे बढ़ने पर बच्चे को बीरभूम के सिउड़ी स्थित एक निजी नर्सिंग होम से एक लाख रुपये के बदले हासिल किए जाने की बात सामने आई। पुलिस को आशंका है कि बच्चे को दंपती तक पहुंचाने में एक से अधिक बिचौलियों की भूमिका हो सकती है।

सुकेश चंद्रशेखर ने अरविंद केजरीवाल को लिखा पत्र, 3 घोटालों का खुलासा करने की धमकी दी

नई दिल्ली। जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने एक बार फिर आम आदमी पार्टी के नेताओं पर निशाना साधा है। सुकेश ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को पत्र लिखकर दावा किया है कि वह आम आदमी पार्टी से जुड़े तीन और कथित घोटालों का खुलासा करने वाला है। हालांकि, उसके इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। सुकेश ने अपने पत्र में दावा किया कि दिल्ली की आबकारी नीति और दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े मामलों के सामने आने के बाद उसके पहले लगाए गए आरोप सही साबित हुए हैं। उसने कहा कि आबकारी नीति के बाद अब जल बोर्ड का मामला सामने आया है और तीन अन्य मामले अभी बाकी हैं। सुकेश ने आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं को चेतावनी देते हुए दावा किया कि जल्द ही तीन अन्य प्रमुख विभागों में कथित भ्रष्टाचार का खुलासा किया जाएगा।

युवाओं को जॉब सीकर नहीं

जॉब क्रिएटर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़-साय

■ 6 लाख विद्यार्थियों को एआई प्रशिक्षण, वर्ष 2030 तक 5 हजार स्टार्टअप का लक्ष्य

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय वर्ल्ड लीडर्स फोरम में वैश्विक आर्थिक जगत की प्रमुख हस्तियों के समक्ष छत्तीसगढ़ की तेजी से बदलती आर्थिक तस्वीर, निवेश की व्यापक संभावनाओं और भविष्य के विकास का रोडमैप प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब अपनी पारंपरिक औद्योगिक और खनिज आधारित पहचान से आगे बढ़कर युवा शक्ति, नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप, ग्रीन एनर्जी और आधुनिक विनिर्माण पर आधारित नई अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल बड़े निवेश आकर्षित करना नहीं है, बल्कि निवेश को रोजगार, उद्यमिता, बेहतर आय और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जोड़ना है। छत्तीसगढ़ के युवा केवल रोजगार तलाशने वाले न रहें, बल्कि अपने नवाचार और उद्यमिता के बल पर दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करें, इसी सोच के साथ राज्य की नीतियों और योजनाओं को नया स्वरूप दिया जा रहा है। फोरम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर, भारत में

अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन सहित भारत और विश्व की अनेक प्रमुख हस्तियां शामिल हो रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 में राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 6.31 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है और आर्थिक वृद्धि दर 11.57 प्रतिशत रही है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर 1 लाख 79 हजार 244 रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए विकास और जनकल्याण को समान प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के 1.72 लाख करोड़ रुपये के बजट में अधोसंरचना निर्माण, पूंजीगत व्यय और सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। सड़क, रेल, ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी और औद्योगिक अधोसंरचना को मजबूत कर छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए अनुकूल और पारदर्शी वातावरण तैयार करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

बस्तर बनेगा छत्तीसगढ़ की नई अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बदलता हुआ बस्तर छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय है। सुरक्षा की स्थिति में तेजी से हुए सुधार के बाद अब बस्तर में विकास, निवेश, रोजगार और उद्यमिता के लिए नए अवसर तैयार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर सहित प्रदेश के करीब 10 लाख परिवारों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से 4,824 करोड़ रुपये की आजीविका उन्नयन योजना तैयार की जा रही है। बस्तर में 421 बंद स्कूलों को पुनः शुरू किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीक से जोड़ते हुए 34 लाख से अधिक लोगों की डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 3,513 करोड़ रुपये की जगदलपुर-रावघाट रेल परियोजना बस्तर के आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

जंतर-मंतर आंदोलन को लेकर आरएसएस की दो टूक

युवाओं की चिंता समझे सरकार दूर हों सिस्टम की खामियां है....

नई दिल्ली/ एजेंसी

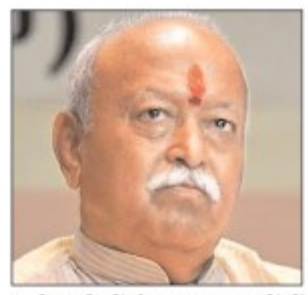

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक में जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन को लेकर भी चर्चा हुई। संघ ने इसे सिस्टम की विफलता से उपजा असंतोष बताते हुए सरकार को युवाओं की चिंताओं पर गंभीरता से विचार करने की सलाह दी है। संघ का कहना है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों का समाधान सकारात्मक तरीके से किया जाना चाहिए। बैठक की जानकारी देते हुए आरएसएस नेता मुकुंद सीआर ने कहा कि राष्ट्रीय संस्थानों और राज्य सरकारों के संस्थानों में व्यवस्था से

जुड़ी खामियों के कारण युवाओं में असंतोष बढ़ रहा है। उन्हें अपने भविष्य की चिंता है, इसलिए इस समस्या का समाधान जरूरी है। जंतर-मंतर आंदोलन को लेकर मुकुंद सीआर ने कहा कि डिस्ट्रक्शन से काम नहीं हो सकता। इसे पॉजिटिव रूप से हल करना चाहिए। उन्होंने आंदोलन के नाम पर हिंसा नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान सकारात्मक पहल के जरिए ही संभव है। इसके लिए सरकार और समाज को मिलकर काम करना होगा। साथ ही लोगों में जागरूकता बढ़ाने और सिस्टम की कमियों को दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए। संघ ने सरकार से युवाओं से जुड़े मुद्दों पर जरूरी कदम उठाने की बात कही है। साथ ही आरएसएस का मानना है कि समाज को भी अपने स्तर पर इस दिशा में प्रयास करने होंगे। समन्वय बैठक में जनसंख्या संतुलन में बदलाव के मुद्दे पर भी चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री के खुलासे के मामले में सुनवाई टली

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री का खुलासा करने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दिया है. चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने 29 सितंबर को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया. आज सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से सुनवाई दोपहर बाद करने की मांग की गई. तब कोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि क्या आप दोपहर बाद उपलब्ध हैं. तब मेहता ने कहा कि इस पर कल सुनवाई कर ली जाए. उसके बाद कोर्ट ने 29 सितंबर की तिथि नियत करने का आदेश दिया. इस पर मेहता ने कहा कि 29 सितंबर के पहले की तिथि नियत की जाए.

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

सिर्फ1 साल की वकालत करके भी बन सकेंगे जज

नई दिल्ली/ एजेंसी

मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सिविल जज भर्ती के लिए 3 साल की वकालत अनिवार्य किए जाने के फैसले के बाद से देशभर के विधि छात्रों और युवा अधिवक्ताओं में असमंजस और चिंता की स्थिति बनी हुई थी। इसे लेकर दायर पुनर्विचार याचिकाओं पर विस्तृत सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की विशेष पीठ ने यह माना कि अचानक 3 साल का कड़ा नियम थोपने से युवा प्रतिभाएं न्यायपालिका से दूर हो रही थीं। प्रधान न्यायाधीश

सूर्यकांत, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने पुनर्विचार याचिकाओं पर फैसला सुनाया। पीठ ने स्पष्ट किया कि यद्यपि न्यायिक सेवा में आने वाले उम्मीदवारों के पास बार का व्यावहारिक अनुभव होना जरूरी है, लेकिन 3 वर्ष की लंबी अवधि से युवा वकीलों पर अनावश्यक कठिनाई पड़ रही थी। इसलिए इस अनिवार्य अनुभव को घटाकर 1 वर्ष कर दिया गया है। फैसले के अनुसार, 20 मई 2025 से 31 मार्च 2027 के बीच विज्ञापित होने वाली सभी न्यायिक परीक्षाओं के लिए विशेष छूट दी गई है। इस अवधि के दौरान आवेदन करने वाले सभी लॉ ग्रेजुएट्स को बिना किसी पूर्व वकालत अनुभव के भी सिविल जज परीक्षा में बैठने की अनुमति होगी।

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में पसरा मातम

पद्म श्री सौकार जानकी का 94 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री से एक बेहद ही दुखद खबर सामने आ रही है। साल 2022 में पद्म श्री अवॉर्ड से सम्मानित एक्ट्रेस सौकार जानकी ने अपनी आखिरी सांस ली है। सौकार का 94 साल की उम्र में निधन हुआ है। सूत्रों के अनुसार, एक्ट्रेस सौकार जानकी का चेन्नई के प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। वो पिछले कुछ समय से सांस लेने में तकलीफ और बुढ़ापे से जुड़ी समस्याओं से परेशान थी। इस दिग्गज अभिनेत्री के निधन से पूरी फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। साल 2022 में एक्ट्रेस सौकार जानकी को पद्म श्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। सौकार जानकी ने पूरी चार

भाषाओं तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और तमिल भाषाओं में 400 से ज्यादा फिल्मों में काम किया था। इसके अलावा उन्होंने 3 हिंदी फिल्मों में भी काम किया था। अगर एक्ट्रेस के फिल्मी करियर के बारे में बात की जाए तो उन्होंने साल 1950 में तेलुगु फिल्म शावुकारु से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था।

14 साल के बच्चे ने नाराज होकर की आत्महत्या

धर्मशाला। स्मार्ट फोन और इंटरनेट के दौर में अक्सर ये देखा गया है कि लोग मोबाइल फोन के एडिक्ट हो जाते हैं. खासकर बच्चे इसके सबसे ज्यादा शिकार होते हैं. जो बच्चे छोटी उम्र से ही मोबाइल का ज्यादा यूज करते हैं, अक्सर मोबाइल न मिलने पर उनके व्यवहार में चेंज देखा जाता है. हिमाचल प्रदेश में भी एक बच्चे ने फोन न मिलने पर खौफनाक कदम उठाया है. धर्मशाला के खनियारा क्षेत्र में मोबाइल पर गेम खेलने को लेकर एक दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां मोबाइल फोन न मिलने से नाराज एक 14 साल के बच्चे ने आत्महत्या कर ली है. मृतक बच्चे के पिता ने बताया कि बेटा लगातार अपनी मां से मोबाइल फोन मांग रहा था।

छत्रपति संभाजीनगर में दर्दनाक हादसा

बेटे को बचाने की कोशिश में गहरी खाई में गिरे माता-पिता,तीनों की मौत

नई दिल्ली। छत्रपति संभाजीनगर शहर से सटे धुले-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे खवल्या पहाड़ पर शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। परिवार के विवाद के बाद एक युवक पहाड़ के खतरनाक किनारे पर पहुंच गया। उसे वापस लाने के लिए मां-बाप ने करीब तीन घंटे तक समझाने का प्रयास किया। छत्रपति संभाजीनगर पुलिस, अग्निशमन दल और स्थानीय नागरिक भी उसे सुरक्षित नीचे लाने में जुटे रहे। लेकिन दोपहर करीब एक बजे युवक अचानक नीचे गिर गया। उसे बचाने की कोशिश में उसके माता-पिता भी संतुलन खो बैठे और गहरी खदान में जा गिरे। बड़े पत्थरों से टकराने के कारण तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से तिसगांव, देवलाई और

सातारा परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। प्रत्यक्षदर्शी और तिसगांव के पूर्व सरपंच संजय जाधव के अनुसार, युवक सुबह करीब 10 बजे खवल्या पहाड़ के ऊपरी हिस्से में पहुंचा था। वह खतरनाक किनारे पर खड़ा था। इसकी जानकारी मिलते ही परिजन और स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में पुलिस तथा अग्निशमन दल के जवान भी वहां पहुंच गए। युवक को सुरक्षित नीचे लाने के लिए लगातार बातचीत की गई। उससे पीछे हटने और नीचे आने की अपील की गई। परिवार के लोग उसे समझाते रहे। मां हाथ जोड़कर बेटे से वापस आने की गुहार लगाती रही, जबकि पिता भी उसे समझाने और सुरक्षित स्थान तक लाने का प्रयास करते रहे। स्थिति बेहद संवेदनशील होने के कारण बचाव दल ने भी सावधानी बरती। अग्निशमन दल के जवानों ने पहाड़ के नीचे सुरक्षा जाल तैयार रखा था। युवक लगातार अपनी जगह बदल रहा था, जिससे बचाव अभियान और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया। स्थानीय नागरिक भी दूर से उसे समझाने का प्रयास करते रहे।

आखिरी मंजूरी होम सेक्रेटरी और अमित शाह को देनी पड़ी

एफआईआर दर्ज होते ही राहुल गांधी ने खत्म किया धरना प्रदर्शन,बोले-न्याय की दिशा में पहला कदम

नई दिल्ली/ एजेंसी

जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन से घायल हुए छात्र साहिल को न्याय दिलाने की मांग को लेकर संसद मार्ग स्थित डीसीपी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आखिरकार अपना प्रदर्शन खत्म कर दिया। दिल्ली पुलिस द्वारा मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग मान लिए जाने के बाद राहुल गांधी ने पुलिस की कार्रवाई को न्याय की दिशा में पहला कदम बताया। राहुल गांधी शुक्रवार को साहिल और कांग्रेस नेताओं के साथ पुलिस अधिकारियों से मिलने पहुंचे थे। एफआईआर दर्ज नहीं होने पर उन्होंने धरना शुरू कर दिया था। कई घंटे बाद पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, जिसके बाद राहुल गांधी ने धरना समाप्त कर दिया। धरना खत्म करने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि पुलिस अधिकारी एफआईआर दर्ज करना चाहते थे, लेकिन ऊपर वालों ने न्याय पर ब्रेक लगा रखा था। उन्होंने कहा, यह न्याय की दिशा में पहला कदम है। केस दर्ज हुआ है। इनके शरीर में छर्रे हैं, इनकी आंख में तीन छर्रे हैं। आंख से दिखाई नहीं देता है। तीन या चार उसके दिल के पास हैं। इस नौजवान के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है। राहुल गांधी ने कहा कि वह सुबह ही पुलिस स्टेशन पहुंच गए थे, लेकिन एफआईआर दर्ज होने में कई घंटे लग गए। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर दिल्ली के बीचों-बीच स्थित पुलिस स्टेशन में एक पीड़ित को न्याय पाने के लिए इतना इंतजार करना पड़ता

है, तो गांव और छोटे शहरों के पुलिस स्टेशनों की स्थिति क्या होगी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि एफआईआर दर्ज करने के लिए ऊपर से मंजूरी का इंतजार किया गया। उन्होंने कहा, आखिरी मंजूरी होम सेक्रेटरी और अमित शाह को देनी पड़ी। उसके बाद ही एफआईआर दर्ज हो पाई। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी एफआईआर दर्ज करना चाहते थे, लेकिन ऊपर से उन पर दबाव था। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया, बल्कि एक भारतीय नागरिक और उसके माता-पिता के लिए न्याय की मांग की है। राहुल गांधी के धरने पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस नेता के कदम की सराहना करते हुए कहा कि राहुल गांधी वही कर रहे हैं, जिसकी देश की जनता नेता प्रतिपक्ष से उम्मीद करती है।

48 घंटे का टाइम और 2 मांगें

जयपुर में जंतर-मंतर जैसे आंदोलन का ऐलान किया

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के आशुतोष रांका अपनी टीम के साथ जयपुर के सरकारी प्राथमिक विद्यालय का दौरा करने गए थे, तभी उनके साथ कुछ ग्रामीणों ने हमला कर दिया। सीजेपी और स्थानीय लोगों के बीच हुआ यह विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने राजस्थान सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। इसके साथ ही दो मांगे भी रखी हैं। ये मांगे पूरी नहीं होने पर उन्होंने जयपुर आकर स्कूल के सामने धरना देने और जंतर-मंतर जैसे आंदोलन का ऐलान किया है।

दरअसल,सीजेपी की टीम शुक्रवार को जयपुर के रामपुरा-कंवरपुरा के सरकारी प्राथमिक विद्यालय का दौरा करने पहुंची थी। टीम का कहना है कि वह स्कूल भवन की स्थिति का जायजा लेने और छात्रों व शिक्षकों से बातचीत करने गई थी।

CMYK

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने संत गुरु रविदास की जन्मस्थली की पवित्र माटी एवं गंगाजल कलश वितरण कार्यक्रम में की शिरकत

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बेमेतरा के टाउन हॉल में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर उनकी जन्मस्थली वाराणसी से लाई गई पवित्र माटी एवं गंगाजल कलश वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर जिले के सभी भाजपा मंडलों के अध्यक्षों को पवित्र कलश वितरित किए गए। कार्यक्रम में संत रविदास जी के विचारों, सामाजिक समरसता और मानव समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

सामाजिक असमानता की खाई मिटाने का किया कार्य : विधायक ईश्वर साहू

साजा विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि संत रविदास ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक असमानता के भेदभाव की खाई को मिटाने का कार्य किया। उन्होंने मानव मात्र को समान मानते हुए प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया, जो आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करता है।

बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं अनुयायी रहे उपस्थित

कार्यक्रम में नगर पंचायत बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिंह, छत्तीसगढ़ रजककार बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू सहित जिले के जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में संत रविदास समाज के अनुयायी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार संतों के विचारों और उनके बताए मानवता, समानता एवं सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलते हुए सबका साथ, सबका विकास के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। संत गुरु रविदास महाराज

सर्व समाज के संत थे गुरु रविदास : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज सर्व समाज के स्वीकार्य और संत थे। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और सामाजिक भेदभाव का विरोध करते हुए मानवता, समानता, प्रेम, भाईचारे और कर्मप्रधान जीवन का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को सामाजिक समरसता, एकता और सद्भाव की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर संत रविदास की जन्मस्थली की पवित्र माटी को देशभर में पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि संत रविदास के विचार और उनके महान संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जा सके।

पवित्र माटी और गंगाजल बने सामाजिक समरसता के संदेशवाहक

कार्यक्रम में वाराणसी स्थित संत रविदास की जन्मस्थली से लाई गई पवित्र माटी तथा गंगा नदी के पवित्र जल से भरे कलश का विधिवत वितरण किया गया। आयोजकों ने बताया कि इन कलशों को संबंधित मंडलों में ले जाकर विभिन्न गांवों तक पहुंचाया जाएगा तथा सामाजिक समरसता के माध्यम से संत रविदास जी के विचारों और शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस दौरान पवित्र माटी को श्रद्धापूर्वक माथे से लगाया गया। कार्यक्रम स्थल संत रविदास जी के जयघोष और मन चंगा तो कठौती में गंगा के उद्घोष से गूंज उठा।

सभी मंडल अध्यक्षों को सौंपा गया पवित्र कलश

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बेमेतरा जिले के सभी मंडलों के भाजपा मंडल अध्यक्षों को पवित्र कलश सौंपे। उन्होंने मंडल अध्यक्षों से कहा कि वे इन कलशों को अपने-अपने मंडलों के गांवों तक लेकर जाएं और संत रविदास जी की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि यह पवित्र कलश केवल माटी और गंगाजल का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, समानता और समरसता का संदेशवाहक है।

सामाजिक समरसता के अग्रदूत थे गुरु रविदास : मंत्री दयाल दास बघेल

कार्यक्रम में मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि संत गुरु रविदास ने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव और छुआछूत जैसी कुरीतियों को दूर करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका प्रसिद्ध संदेश मन चंगा तो कठौती में गंगा केवल एक पंक्ति नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यह संदेश हमें बताता है कि मनुष्य की पहचान उसके कर्मों से होती है, जन्म से नहीं। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी ने अपनी वाणी और दोहों के माध्यम से समाज को समानता, प्रेम, भाईचारे और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं और सामाजिक समरसता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गुरु रविदास ने समाज में जागृति का संदेश दिया : विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने समाज में जागृति लाने का महान कार्य किया। उन्होंने सामाजिक समरसता और समानता का संदेश देकर समाज को एकजुट करने का कार्य किया। उनके विचारों को आत्मसात कर हम एक मजबूत, समतामूलक और सद्भावपूर्ण समाज का निर्माण

शहीद अस्पताल में अत्याधुनिक सिटी स्कैन का उद्घाटन, अब 24 घंटे मिलेगी सुविधा

दल्लीराजहरा। नगर के शहीद अस्पताल ने सफलता का एक और कदम बढ़ाया है। अस्पताल में अत्याधुनिक सिटी स्कैन मशीन का उद्घाटन संपन्न हुआ। यह मशीन लाइफ केयर स्कैन प्राइवेट लिमिटेड और शहीद अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में लगाई गई है। अब क्षेत्र के मरीजों को सिटी स्कैन के लिए भिलाई या रायपुर नहीं जाना पड़ेगा। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि शंकर गुहा नियोगी के सहयोगी एवं अस्पताल के पूर्व कर्मचारी नरसु राम थे। उद्घाटन समारोह में विशेष अतिथि के रूप में उदयाचल अस्पताल के वरिष्ठ सदस्य अशोक मोदी, लाइफकेयर के संचालक मनीष पारख, पूर्व विधायक जनक लाल ठाकुर, विपिन भाई लाखानी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहीद अस्पताल के संचालक डॉक्टर जाना ने किया। शहीद अस्पताल के संचालक डॉ. जाना ने कहा कि नियोगी जी का सपना था कि यह अस्पताल क्षेत्र का सबसे अत्याधुनिक और सस्ता अस्पताल बने। छोटी सी डिस्पेंसरी से शुरू हुआ यह अस्पताल मजदूरों के सहयोग से अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हो गया है। उन्होंने सन 1989 की घटना याद करते हुए बताया कि तब एक घायल मजदूर साथी को बेहतर इलाज कराने के लिए हमें सेक्टर 9, अस्पताल ले जाना पड़ा उसके बाद उन्हें सिटी स्कैन के लिए नागपुर भेजा नागपुर की मशीन खराब थी। हमें बेहोश मरीज को जबलपुर ले जाना पड़ा था। वही सुविधा दल्लीराजहरा में उपलब्ध है। यह सिटी स्कैन सेंटर 24 घंटे खुला रहेगा और आसपास के हर मजदूर, किसान और आम नागरिकों को लाभ होगा। शहीद अस्पताल में अब तक अत्यधिक पैथोलॉजी लैब सोनोग्राफी, ईसीजी, यूयसजी, सीटीजी और अब अत्याधुनिक सीटी स्कैन की सुविधा प्रारंभ हुई है इससे पहले भी अस्पताल के द्वारा कई जटिल ऑपरेशन के माध्यम से गंभीर मरीज के जीवन की रक्षा की गई है। डॉ. दीपांकर जाना (सर्जन) ने बताया कि सिटी स्कैन आने से गंभीर दुर्घटना, कैंसर और अन्य बीमारियों की पहचान तुरंत हो सकेगी। पहले दल्ली राजहरा से मरीज को डेढ़ सौ किलोमीटर दूर रायपुर भेजने में समय बर्बाद होता था और कई बार जान भी चली जाती थी। अब इलाज में आसानी होगी। शहीद अस्पताल में पहले से कैंसर का ऑपरेशन भी हो रहा है। जनक लाल ठाकुर पूर्व विधायक, डॉ. ध्रुव रेडियोलॉजिस्ट, डॉ.पी.डी. लालवानी, डॉ. राजीव लोचन शर्मा और टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. मेरिया ने भी सिटी स्कैन की स्थापना को क्षेत्र के इलाज के लिए मील का पत्थर बताया। सभी ने कहा कि अब बीमारी को समझने और इलाज करने में बहुत आसानी होगी। लाइफ केयर स्कैन के संचालक डॉ. मनीष पारख ने बताया कि यह मशीन अत्याधुनिक तकनीक से युक्त है। अगर मरीज गंभीर होगा तो उसे संबंधित अस्पताल में सीधे भिलाई-रायपुर रैफर किया जा सकेगा, अलग से अपॉइंटमेंट की जरूरत नहीं होगी। अस्पताल के संचालक डॉक्टर जाना ने बताया कि उद्घाटन से पहले ट्रायल के रूप में उद्घाटन के बाद 6 वर्षीय बालक का सिटी स्कैन किया गया, जिसमें मरीज के इलाज में काफी सुविधा मिली। कार्यक्रम के अंत में उदयाचल नेत्र अस्पताल की ओर से डॉ. जाना और मुख्य अतिथि नरसू राम को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

राजीव गांधी की जयंती पर प्रतिमा में माल्यार्पण

सूचना प्रौद्योगिकी राजीव गाँधी की देन : विधायक

डोंगरगांव नगर। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती कांग्रेस ने सद्भावना दिवस के तौर पर मनाई। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अगुवाई में स्व राजीव गांधी की प्रतिमा में माल्यार्पण कर स्व गांधी के द्वारा देशहित में दूरदर्शी एवं ऐतिहासिक कार्यों को आजाद भारत के लिए मील का पत्थर बताया। नगर के मेनरोड में स्थित राजीव गांधी चौक में स्थापित स्वर्गीय राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। कांग्रेसजनों ने उनके दूरदर्शी नेतृत्व, आधुनिक भारत के निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान तथा देश की एकता और अखंडता के लिए उनके विचारों एवं कार्यों को स्मरण किया। इस अवसर पर विधायक दलेश्वर साहू ने कहा कि देश मे सूचना प्रौद्योगिकी की संस्थापना पुर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की देन है। दूरसंचार को नई दिशा प्रदान की। स्व गाँधी ने अपने कार्यकाल में देश मे कम्प्यूटर युग का सूत्रपात किया है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने भारत को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण पहल की। सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार तथा युवाओं को देश के विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उक्त अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष टिकेश साहू, मोहन अय्यर, डॉ. नरेंद्र साहू, संध्या साहू, सतीश वैष्णव, देवेंद्र साहू, मयंक यदु, कमल नारायण वैष्णव, सुंदर लाल साहू, अब्दुल खान, चंद्रशेखर ऊइके, सद्दाम खत्री, अखिलेश नखत, किशोर बनाफर, वैशाली बोरकर, अरुणा देवांगन, श्रुति शुक्ला, जमुना साहू, संदीप रत्नाकर, टिंकू देवांगन, राकेश साहू, मुक्तानंद, अब्दुल, अमित सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

स्थानीय बंग समाज भवन के सभागार में साहित्यिक गरिमा के साथ एक विशेष कार्यक्रम आयोजित

दल्लीराजहरा। स्थानीय बंग समाज भवन के सभागार में साहित्यिक गरिमा के साथ एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं लेखक गगन चंद्र पंड्या की द्वितीय पुस्तक बंग संस्कृति के प्रादुर्भाव एवं क्रमिक विकास संकलित का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजहरा लौह अयस्क समूह के मुख्य महाप्रबंधक आर.बी. गहरवार उपस्थित थे। विशेष अतिथि के रूप में साहित्यकार डॉ. शिरोमणि माथुर ने शिरकत की। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में रेखा गहरवार अध्यक्ष महिला समाज, जय प्रकाश महाप्रबंधक, विपिन कुमार, सुकान्तो मंडल, डॉ. राज शेखर राव प्राचार्य डी.ए.वी. इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल, डॉ. शैबाल जाना, पुरोबी वर्मा, राजेन्द्र बेहरा, कनक बनर्जी, मदन मायती एवं गौतम बेरा उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना, दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। पुस्तक के बारे में जानकारी देते हुए लेखक गगन चंद्र पंड्या ने कहा कि इस पुस्तक में बंगाल के महापुरुषों के विभिन्न क्षेत्रों में दिए गए योगदान को संकलित किया गया है। यद्यपि यह विषय बंगाली भाषा के लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है, लेकिन इसे हिंदी में लिखने का उद्देश्य यह है कि हिंदी के पाठक भी बंगाल के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को समझ सकें। उन्होंने बताया कि पुस्तक में बंगाल की प्राचीन महानता, बांग्ला साहित्य के विकास क्रम और बंगाल कैलेंडर का भी उल्लेख किया गया है। बंगाल कैलेंडर 493 ईस्वी में प्रारंभ हुआ था। पुस्तक में 490 ईस्वी से 900 ईस्वी तक के समय चक्र में हुए साहित्यिक विकास और उस समय के राजा ऋषामई सहित बौद्ध साहित्यकारों की रचनाओं का भी वर्णन है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने अपने उद्बोधन में पुस्तक एवं लेखक की भूरि-भूरि प्रशंसा की। मुख्य अतिथि आर.बी. गहरवार ने कहाः गगन सर के साहित्य के प्रति लगन का सम्मान करता हूं। आज का समय इतना आगे बढ़ गया है कि जिस ज्ञान को एकत्र करने में कई वर्ष बीत जाते थे वह अब मोबाइल के बटन दबाते ही स्क्रीन पर आ जाता है। लेकिन पुस्तक के पन्नों को पलटने में जो भौतिक सुख होता है वह अलग है। पुस्तकें हमारे अस्तित्व और पहचान को बताती हैं। सही मायने में बंग संस्कृति के ज्ञान का लोहा हर समाज मानता है। राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान बंग समाज की देन है। गगन सर ने छोटी सी पुस्तक में बहुत बड़ा ज्ञान समेटा है। महाप्रबंधक जय प्रकाश ने कहाः इस पुस्तक को देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ हूं। बचपन में अलग-अलग कक्षाओं में इनके बारे में पढ़ते थे। यह संकलन काफी विशेष स्थान रखता है। इस तरह की पुस्तक आपको कहीं पुस्तक की दुकानों में नहीं मिलेगी। आने वाली पीढ़ी जरूर इससे लाभान्वित होगी। इन पुस्तकों में महान संत, महान वैज्ञानिक, महान दार्शनिक, महान समाज सुधारक, महान क्रांतिवीरों और महान राजनीतिज्ञों का चर्चा की गई है। गागर में सागर है यह पुस्तक। विशेष अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शिरोमणि माथुर ने कहाः मेरी दृष्टिकोण से यह पुस्तक काफी उपयोगी साबित होगी। दादा भले ही बोलते हों कि वह लेखक नहीं हैं लेकिन वह साहित्य गगन के सितारे हैं।

दामापुर में खुलेगा लिंक कोर्ट, ग्रामीणों को गांव के नजदीक मिलेंगी राजस्व सेवाएं

कवर्धा। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों को राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए अब लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से ग्राम पंचायत दामापुर में लिंक कोर्ट (नवीन उप तहसील) की स्थापना को स्वीकृति मिली है। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने पर विधायक ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा का आभार जताते हुए दामापुर सहित आसपास के ग्रामीणों को बधाई दी है।दामापुर में लिंक कोर्ट शुरू होने से ग्रामीणों को भू-राजस्व सहित विभिन्न प्रशासनिक सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। इससे लोगों के समय, धन और श्रम की बचत होगी। विशेष रूप से किसान, महिलाएं, बुजुर्ग और दूरदराज के गांवों में रहने वाले नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।विधायक भावना बोहरा ने कहा कि दामापुर में लिंक कोर्ट की स्थापना क्षेत्र में सुशासन और प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे प्रशासनिक व्यवस्था आम जनता के और करीब पहुंचेगी तथा नागरिकों को अपने ही क्षेत्र में सरकारी सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि पहले राजस्व और प्रशासनिक कार्यों के लिए ग्रामीणों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, लेकिन स्थानीय स्तर पर सुविधा उपलब्ध होने से उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। लिंक कोर्ट के माध्यम से खसरा-खतौनी एवं नक्शा, नामांतरण, भूमि बंटवारा, जमाबंदी, लगान, राजस्व वसूली, ऋण मुक्ति प्रमाण पत्र सहित विभिन्न राजस्व संबंधी कार्यों में सुविधा मिलने की बात कही गई है। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक शिकायतों के निराकरण में भी लोगों को सहूलियत होगी।

विधायक ने कहा कि यह लिंक कोर्ट सरकार और जनता के बीच सेतु का काम करेगी। पंडरिया विधानसभा में पहले नगर पंचायत पांडातराई और ग्राम पंचायत रणवीरपुर में नवीन उप तहसील की स्थापना हो चुकी है। अब दामापुर में लिंक कोर्ट की स्वीकृति से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक सेवाओं का और विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन और जनसुविधाओं को प्राथमिकता दे रही है।

जिला भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष अजय साहू ने फहराया तिरंगा

बेमेतरा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला भाजपा कार्यालय बेमेतरा में देशभक्ति और राष्ट्र गौरव से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रगान के साथ देश की आजादी के अमर बलिदानियों को नमन किया। ध्वजारोहण के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष अजय साहू ने उपस्थित कार्यकर्ताओं और जिलेवासियों को 80वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता लाखों वीरों के त्याग, तपस्या और बलिदान का परिणाम है। आजादी केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को याद करने का दिन भी है।

देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए समर्पित रहें : अजय साहू

अपने संबोधन में अजय साहू ने कहा, हम जिस स्वतंत्र भारत में सम्मान और स्वाभिमान के साथ सांस ले रहे हैं, उसके पीछे हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर शहीदों का अमूल्य बलिदान है। हमें उनके सपनों के भारत के निर्माण के लिए पूरी निष्ठा से काम करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत का संकल्प तभी पूरा होगा, जब प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे देश की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें। अजय साहू ने कहा, तिरंगा हमारे गौरव, त्याग और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। इसकी आन-बान-शान बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें कि भारत को विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका पूरी ईमानदारी से निभाएंगे।कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारत माता के जयकारे और देशभक्ति के नारों से वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया।

इनकी रही मौजूदगी

कार्यक्रम में विधायक दीपेश साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, भाजपा मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, मीडिया प्रभारी दीपक मोटवानी,निशा चौबे,राजू देवांगन, राकेश मोहन शर्मा, विनय साहू, धर्मेंद्र साहू, कमलेश वर्मा सहित भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवरबीजा की 55 बेटियों को मिली 'सरस्वती' की सौगात, विधायक दीपेश साहू ने कहा—शिक्षा की राह में साइकिल बनेगी आत्मनिर्भरता की सवारी

बेमेतरा। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने, विद्यालय में उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत पीएम श्री शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम विद्यालय, देवरबीजा में निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू अपनी धर्मपत्नी तरुणा साहू के साथ शामिल हुए। इस दौरान कक्षा 9वीं में अध्ययनरत 55 पात्र छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरित की गई। साइकिल प्राप्त करते ही छात्राओं के चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ नजर आया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बलराम पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि, हेमलाल पांडु देवांगन, सरपंच महामंत्री देवरबीजा मंडल, नीरज राजपूत, जनपद सदस्य, सोसायटी अध्यक्ष संजीव तिवारी, राजेश पटेल एवं सुखेन यादव, अध्यक्ष युवा मोर्चा मंडल देवरबीजा उपस्थित रहे। साइकिल आवागमन का साधन ही नहीं, बेटियों के सपनों को आगे बढ़ाने का माध्यम। विधायक दीपेश साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री सरस्वती साइकिल योजना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें विद्यालय तक सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से विद्यालय आने वाली अनेक छात्राओं को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में साइकिल उनके लिए केवल आने-जाने का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम है। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने के साथ ही बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने छात्राओं से नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर अध्ययन करने तथा अपने माता-पिता, विद्यालय और जिले का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कोमल देवांगन, ठाकुर राम निर्मलकर, राजकुमार राजपूत, सुखी साहू, देवलाल साहू, वीरबहादुर सेन, फलेश मधुकर, दिलीप विश्वकर्मा, राजेश पटेल, निर्मल टंडन, संतोष देवांगन, महावीर देवांगन, रामेश्वर देवांगन, प्राचार्य सविता तिवारी सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही।

शिक्षकों की लंबित मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन, 22 और 29 अगस्त को प्रदर्शन

कवर्धा। शिक्षकों की वर्षों से लंबित मांगों को लेकर शिक्षक साझा मंच ने कबीरधाम जिले में चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। मंच के प्रांत संचालक रविंद्र राठौर, विकास राजपूत एवं प्रदीप पांडे के नेतृत्व तथा जिला संयोजक प्रेम नारायण शर्मा के मार्गदर्शन में आंदोलन की तैयारियां की जा रही हैं। शिक्षक साझा मंच के अनुसार 22 अगस्त को चारों विकासखंड कवर्धा, पंडरिया, सहसपुर लोहारा एवं बोड़ला में ब्लॉक स्तरीय एकदिवसीय आंदोलन किया जाएगा। इसके बाद 29 अगस्त को जिला स्तरीय एकदिवसीय आंदोलन आयोजित होगा। मंच ने जिले के प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों से आंदोलन में सक्रिय सहभागिता की अपील की है। शिक्षकों की प्रमुख मांगों में ज्ञअज्ञ की अनिवार्यता समाप्त करना, वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति, वेतन विसंगति दूर करना, पूर्व सेवा अवधि की गणना कर लाभ देना तथा ड्डस्य ऐप की तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान शामिल है। मंच का कहना है कि इन मांगों को लेकर शिक्षक लंबे समय से संघर्षरत हैं, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं होने के कारण आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। मंच ने चेतावनी दी है कि मांगों पर समय रहते सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर आंदोलन को प्रदेश स्तर तक विस्तारित किया जाएगा और रायपुर में भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी दिलाने का झांसा देकर 2 लाख की ठगी, पति-पत्नी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी में ऑपरेटर पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर 2 लाख रुपये की ठगी करने वाले पति-पत्नी को भाटापारा शहर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं में कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव थाना क्षेत्र निवासी डिलेश कुमार साहू ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2021 में विरेन्द्र साहू और उसकी पत्नी गामिनी साहू ने उसे छत्तीसगढ़ स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी में ऑपरेटर पद पर नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया था। नौकरी के नाम पर आरोपियों ने उससे 2 लाख रुपये ले लिए, लेकिन नौकरी नहीं लगवाई और बाद में रकम भी वापस नहीं की। शिकायत की जांच के बाद भाटापारा शहर थाने में अपराध क्रमांक 63/2025 के तहत धारा 420, 34 भादवि में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने प्रार्थी और गवाहों के बयान दर्ज किए। साथ ही बैंक खाते का स्टेटमेंट और पावर होल्डिंग कंपनी में किए गए ऑनलाइन आवेदन से संबंधित दस्तावेज जुटाए गए। जांच के दौरान पुलिस टीम ने 18 अगस्त 2026 को आरोपी दंपत्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

ट्रैक्टर-कृषि उपकरणों की बिक्री राशि में 11 लाख से ज्यादा का गबन

रायपुर। ट्रैक्टर शोरूम में मैनेजर के पद पर रहते हुए किसानों को ट्रैक्टर और कृषि उपकरण बेचकर उसकी रकम फर्म में जमा नहीं करने के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपी मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक 17 अगस्त को फर्म की ओर से थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया कि फ्लैट नंबर 19, इंदिरा नगर, वृंदावन कॉलोनी निवासी कुमुद उपाध्याय (52 वर्ष) राजनांदगांव स्थित अरुण एग्रीकल्चर में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। आरोप है कि 1 अप्रैल 2025 से 7 अप्रैल 2026 के बीच आरोपी ने फर्म के ट्रैक्टर और कृषि उपकरण किसानों को कुल 14 लाख 61 हजार 393 रुपये में बेचे, लेकिन बिक्री से प्राप्त पूरी राशि फर्म में जमा नहीं की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने रकम के गबन की बात स्वीकार की और 3 लाख 3 हजार 500 रुपये वापस किए। शेष 11 लाख 7 हजार 893 रुपये फर्म में जमा नहीं करने की बात सामने आई।

रेलवे ट्रैक पर रखा 7 फीट लंबा लोहे का पाइप, मालगाड़ी के गुजरने के दौरान मचा हड़कंप

रायपुर। गोंदवारा ओवरब्रिज और अंडरब्रिज के बीच रेलवे ट्रैक पर लोहे का पाइप रखकर रेल परिचालन को बाधित करने की कोशिश का मामला सामने आया है। शाम करीब 5:20 बजे रेलवे ट्रैक के किलोमीटर नंबर 827/24 बी पर हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए जीआरपी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात व्यक्ति ने रेलवे पटरी पर करीब 1.5 इंच मोटा और 7 फीट लंबा लोहे का पाइप रख दिया था। इसी दौरान वहां से एक मालगाड़ी गुजर रही थी। ट्रैक पर पाइप पड़ा होने के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। रेलवे ट्रैक पर इस तरह बाधा उत्पन्न करने की घटना को गंभीर मानते हुए जीआरपी थाना

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

नगरीय निकायों के प्रगतिरत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए

- बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत तथा टेंडर हो चुके कार्यों को मिशन मोड में पूरा करने कहा
- लोगों की समस्याओं के संवेदनशीलता से निराकरण और समन्वय से कार्य करने के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज जांजगीर जिला मुख्यालय में अपने चारों विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जांजगीर-चांपा और सक्ती जिले के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर दोनों जिलों में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने दोनों जिलों में संचालित विभागीय योजनाओं, विकास एवं निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित होना चाहिए। बैठक में अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की प्रगति, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय निकायों में विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा

करते हुए कहा कि जिन कार्यों की स्वीकृति एवं आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण हो चुकी हैं, उन्हें तत्काल प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करें। उन्होंने कार्य प्रारंभ करने में देरी तथा कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्राथमिकता वाले कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने जांजगीर एवं सक्ती में निर्माणाधीन नालंदा परिसरों के कार्यों की समीक्षा करते हुए इन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नालंदा परिसर युवाओं एवं विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है, इसलिए इसके निर्माण में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। श्री साव ने 15वें वित्त आयोग एवं स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में तेजी लाने तथा जल आवर्धन योजना के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत स्रोत पर कचरा पृथक्करण एवं संग्रहण को प्रभावी बनाने, एनर्जी बिल ऑडिट कराने तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग को प्रोत्साहित करने को कहा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय क्षेत्रों में पीएम स्वनिधि एवं पीएम आवास योजना सहित शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हितग्राही मूलक योजनाओं में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा पात्र हितग्राहियों के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए। लोक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री साव ने टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुके कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने एवं प्रगतिरत कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। बारिश के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों एवं सड़कों पर बने गड्ढों की प्राथमिकता के आधार पर तत्काल मरम्मत करने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़कों की स्थिति बेहतर होने से नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी और दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए श्री साव ने जल जीवन मिशन के तहत पूर्ण एवं हैंडओवर की जा चुकी योजनाओं के सुचारू संचालन एवं नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए पंचायत एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए।

महिला के पक्के मकान का सपना हुआ साकार

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना ने नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 03 निवासी अशक्का यालम पति यालम चन्द्रैया के जीवन में नई खुशियां लाई हैं। वर्षों से कच्चे मकान में रहकर बारिश के दौरान छत से पानी टपकने सहित अनेक परेशानियों का सामना करने वाली अच्शक्का यालम का अब अपने पक्के मकान का सपना साकार हो गया है। अशक्का यालम की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्के मकान का निर्माण उनके लिए आसान नहीं था। वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री आवास योजना के बी.एल.सी. घटक अंतर्गत 'मोर जमीन मोर मकान' योजना की जानकारी उन्हें नगर पंचायत भोपालपटनम के अधिकारियों एवं प्रधानमंत्री आवास योजना की टीम द्वारा दी गई। इसके बाद उनका आवेदन तैयार कर शासन को प्रस्ताव भेजा गया और आवास की स्वीकृति प्रदान की गई।आर्थिक कठिनाइयों के चलते वे कई महीनों तक मकान का निर्माण शुरू नहीं कर सकीं। इसके बाद नगर पंचायत भोपालपटनम के अधिकारियों ने उन्हें आवास निर्माण के लिए प्रेरित किया तथा स्थानीय राजमिस्त्री एवं श्रमिकों से संपर्क कराया। इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे अपने आवास का निर्माण पूर्ण किया। आज अशक्का यालम अपने पक्के मकान में सुरक्षित और खुशहाल जीवन व्यतीत कर रही हैं। वे बताती हैं कि उन्होंने कभी सपने में भी अपने पक्के मकान की कल्पना नहीं की थी, लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनका यह सपना पूरा कर दिया। अपने पक्के आवास के लिए अच्शक्का यालम ने नगर पंचायत भोपालपटनम, राज्य शासन एवं प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

महाराष्ट्र के बाजार में बालोद की महिला सरपंचों ने बिखेरी छत्तीसगढ़ की चमक

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में महिला नेतृत्व और पंचायतों के माध्यम से हो रहे नवाचारों की गूंज अब राष्ट्रीय मंचों तक पहुंच रही है। महाराष्ट्र के आदर्श ग्राम हिवरे बाजार में 18 से 23 अगस्त 2026 तक आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय 'आनंदी कुटुम्ब समृद्ध ग्राम' कार्यक्रम में बालोद जिले की दो महिला सरपंचों ने अपने गांवों के विकास और महिला सशक्तिकरण के अनुभव साझा कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। ग्राम पंचायत गुजरा की सरपंच श्रीमती पार्वती मंडावी और ग्राम पंचायत दुधली की सरपंच श्रीमती पिलेश्वरी नेताम ने राष्ट्रीय मंच पर ग्रामीण विकास, महिला स्वावलंबन और पंचायत नेतृत्व से जुड़े अपने अनुभव प्रस्तुत किए। देश के विभिन्न राज्यों से

पहुंचे प्रतिभागियों के बीच दोनों महिला जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता ने बालोद जिले के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की ग्रामीण विकास की पहल को नई पहचान दिलाई। कार्यक्रम में परिवार और समाज में महिलाओं की भूमिका, महिला सशक्तिकरण, आर्थिक समृद्धि तथा ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर को सुरक्षित एवं बेहतर बनाने जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। इस दौरान दोनों सरपंचों ने पद्मश्री पोपटराव पवार तथा आत्मीयता यूनिवर्सिटी, राजकोट के चेयरमैन स्वामी त्यागवल्लभ के समक्ष अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने अपने-अपने गांवों में किए जा रहे विकास कार्यों और नवाचारों की जानकारी साझा करने के साथ देशभर से आए प्रतिभागियों के सवालों का भी आत्मविश्वासपूर्वक जवाब दिया। ग्राम पंचायत गुजरा की सरपंच श्रीमती पार्वती मंडावी ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनके क्षेत्र में महिला समूहों द्वारा व्यापक स्तर पर आम के पौधों का रोपण किया जा रहा है। यह पहल महिलाओं की आजीविका को मजबूत करने के साथ गांव में पर्यावरण संरक्षण और दीर्घकालीन आय के अवसर तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बिहान समूह की महिलाओं ने हुनर को बनाया आमदनी का जरिया

- राखी निर्माण और बकरी पालन से बढ़ रही आय, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम

रायपुर/ संवाददाता

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर जिले के ग्राम पुलवारी की सरस्वती स्व सहायता समूह की महिलाएं स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। समूह से जुड़ने के बाद महिलाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। महिलाएं एक ओर बकरी पालन को आय का स्थायी साधन बनाने की दिशा में कार्य कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय संसाधनों और अपने हुनर का उपयोग कर पर्व-त्योहारों के अवसर पर अतिरिक्त आमदनी भी अर्जित कर रही हैं। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर सरस्वती स्व सहायता समूह की महिलाओं ने आकर्षक राखियां तैयार कर अपने हुनर को बाजार तक पहुंचाया। महिलाओं द्वारा स्थानीय एवं प्राकृतिक सामग्री का उपयोग कर विभिन्न प्रकार की सुंदर राखियां तैयार की गईं। समूह की महिलाओं ने कलेक्टोरेट के सामने राखी विक्रय के लिए स्टॉल लगाया, जहां जनदर्शन में पहुंचे आमजनों ने महिलाओं द्वारा तैयार राखियों की खरीदारी की और उनके हुनर की सराहना की। राखियों की बिक्री से महिलाओं को अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हुई, वहीं अपने हाथों से तैयार उत्पाद को लोगों द्वारा पसंद किए जाने से उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई। महिलाओं ने बताया कि इस तरह के अवसर उन्हें घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। समूह की सदस्य श्रीमती सुनीता और श्रीमती अंजू धुरी ने बताया कि बिहान समूह से जुड़ने के बाद महिलाओं को विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिला है। समूह की महिलाओं को बकरी पालन के लिए सहायता स्वीकृत हुई है, जिसके माध्यम से वे अपनी आजीविका को मजबूत करने और नियमित आय का साधन विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। बकरी पालन जैसी गतिविधियों से महिलाओं को गांव में ही रोजगार का अवसर मिल रहा है और वे परिवार की आर्थिक जरूरतों में सहयोग कर पा रही हैं। बिहान समूह के माध्यम से महिलाओं को केवल आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का अवसर ही नहीं मिल रहा।

बलौदाबाजार को बड़ी सौगात दिलाने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की पहल..

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक क्रांति के साथ-साथ श्रमिकों की सामाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने के प्रयास लगातार रंग ला रहे हैं। इसी कड़ी में बलौदाबाजार के विशाल सीमेंट, पावर एंड स्टील प्लांटस, सहित अनेक लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र तथा अन्य संस्थानों में दिन-रात पसीना बहाने वाले हजारों मजदूरों की वर्षों पुरानी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा द्वारा एक बड़ी पहल हुई है। सीमेंट, पावर एवं स्टील फैक्ट्रियों की बहुलता वाले बलौदाबाजार जिले में अब तक गंभीर बीमारियों और हादसों के वक्त श्रमिकों को बेहतर

इलाज के लिए दूसरे बड़े जिलों की ओर रुख करना पड़ता था और आपातकालीन स्थितियों में यह दूरी जानलेवा साबित होती थी। इस बड़ी व्यावहारिक समस्या को दूर करने के लिए राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा की पहल पर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से नई दिल्ली में आज चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान बलौदाबाजार में 200 बिस्तर वाले सर्व सुविधायुक्त ईएसआईसी अस्पताल की स्थापना का प्रस्ताव प्रमुखता से रखा गया। केंद्रीय मंत्री ने इस संवेदनशील जनहित मुद्दे पर बेहद गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है, जिससे जल्द ही क्षेत्र की जनता को एक आधुनिक अस्पताल की सौगात मिलने का रास्ता साफ होता दिख रहा है। बलौदाबाजार जिले में वर्तमान में 17,942 पंजीकृत कर्मचारी कार्यरत हैं, जबकि सामाजिक सुरक्षा के तहत 18,308 बीमित व्यक्तियों को सीधा लाभ मिल रहा है। बीमितों की यह अधिक संख्या स्पष्ट करती है कि इस सुरक्षा चक्र का लाभ न केवल श्रमिकों, बल्कि उनके पूरे परिवार तक पहुंच रहा है।

नवा रायपुर में ई-बसों के संचालन की तैयारी

रायपुर। मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक हुई। बैठक में नवा रायपुर अटल विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) और लोक निर्माण विभाग से जुड़ी विभिन्न विकास परियोजनाओं के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में नवा रायपुर में बैटरी संचालित एसी ई-बसों के संचालन की योजना को लेकर महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर विचार किया गया। ई-बसों के डिजाइन, खरीद, आपूर्ति, संचालन और रखरखाव के लिए ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल के तहत निविदा प्रक्रिया शुरू करने के प्रस्ताव के तकनीकी और क्रियान्वयन पक्षों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के कार्यालय सहित अन्य प्रस्तावित शासकीय कार्यालय भवनों के निर्माण से जुड़े प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने समिति के समक्ष भवन निर्माण की जरूरतों, प्रस्तावित कार्यों और इससे संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी रखी। बैठक में रायगढ़ जिले की महत्वपूर्ण सड़क परियोजना पर भी चर्चा हुई। रायगढ़-पूंजीपथरा-घरघोड़ा फोरलेन मार्ग के करीब 37 किलोमीटर हिस्से के निर्माण प्रस्ताव की समीक्षा की गई। परियोजना के लिए आवश्यक भूमि अर्जन, भूमि व्यपवर्तन और निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली गई।

धान-चावल से सजी राखियां बनीं आकर्षण का केंद्र

प्रसन्न समूह की दीदियों ने हुनर से रची आत्मनिर्भरता की नई कहानी

- समूह की दीदियों द्वारा तैयार ये राखियां स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ महिला उद्यमिता की भावना को भी मजबूत कर रही हैं

रायपुर/ संवाददाता

आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम नहीं, बल्कि अपने हुनर और स्थानीय संसाधनों को नई पहचान देने का अवसर भी है। कोरबा जिले की महिला स्व सहायता समूह की दीदियां अपने परिश्रम, रचनात्मकता और नवाचार से इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। बेला कछार, दोनद्रो पंचायत का प्रसन्न स्व सहायता समूह भी ऐसी ही प्रेरक पहल का उदाहरण है, जहां महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार की हैं। प्रसन्न स्व सहायता समूह वर्ष 2018 से बिहान से जुड़कर महिला सशक्तिकरण और आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ा रहा है। समूह में कुल 22 सदस्य हैं। समूह की दीदियां मौसम और मांग के अनुरूप विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार करती हैं। इनमें बाती, अगरबत्ती, कॉस्मेटिक सामग्री और कपड़ों से जुड़े कार्य प्रमुख हैं। समय के साथ समूह की महिलाओं ने अपने कार्यक्षेत्र में नए उत्पाद जोड़ते हुए अपनी आय के अवसरों को भी विस्तार दिया है। रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए समूह की दीदियों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए पारंपरिक राखियों को स्थानीयता से जोड़ा है। धान, बर्रे भाजी, साबूदाना और चावल जैसे स्थानीय एवं प्राकृतिक संसाधनों से तैयार की गई राखियां लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इन राखियों की खासियत सिर्फ उनकी खूबसूरती नहीं, बल्कि इनके पीछे छिपा महिलाओं का हुनर और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग का विचार भी है। समूह की दीदियों द्वारा तैयार ये राखियां स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ महिला उद्यमिता की भावना को भी मजबूत कर रही हैं। समूह की दीदियों श्रीमती नीतू कर्ष एवं श्रीमती मीरा देवांगन ने कलेक्टोरेट परिसर में राखियों का स्टॉल लगाया। यहां उन्होंने अपने हाथों से तैयार

विभिन्न प्रकार की राखियां प्रदर्शित कीं। स्टॉल पर पहुंचकर कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने भी राखियां खरीदीं और समूह की दीदियों के प्रयासों एवं हुनर की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर श्री दुदावत के प्रोत्साहन से दीदियों में अपने उत्पादों को और बेहतर बनाने तथा भविष्य में नई गतिविधियों को अपनाने का आत्मविश्वास बढ़ा है। प्रसन्न स्व सहायता समूह की दीदियों ने बताया कि महतारी वंदन योजना से भी उन्हें आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है। योजना के तहत मिलने वाली राशि का उपयोग वे अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ अपने कार्यों और आजीविका संबंधी गतिविधियों में कर रही हैं। दीदियों ने बताया कि उन्हें अब तक योजना की 30 किश्तें प्राप्त हो चुकी हैं। नियमित रूप से मिलने वाली आर्थिक सहायता से उन्हें काफी राहत मिली है और अपने छोटे-बड़े कार्यों को आगे बढ़ाने में सहयोग मिल रहा है। योजना से प्राप्त राशि उनके लिए आर्थिक सहारे के साथ आत्मविश्वास बढ़ाने का माध्यम भी बनी है। रक्षाबंधन के इस अवसर पर समूह की दीदियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के लिए विशेष राखी भी तैयार की है। दीदियों ने बताया कि महतारी वंदन योजना से उन्हें लगातार आर्थिक सहयोग मिल रहा है, जिसके लिए वे भैया मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करती हैं। प्रसन्न स्व सहायता समूह की कहानी यह दर्शाती है कि जब महिलाओं को संगठित होकर काम करने का अवसर, प्रशिक्षण एवं योजनाओं का सहयोग मिलता है, तो वे अपने हुनर को आजीविका का मजबूत माध्यम बना सकती हैं। स्थानीय संसाधनों से तैयार राखियों से लेकर अन्य उत्पादों तक, समूह की दीदियां अपने परिश्रम से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दे रही हैं।

संपादकीय

लालकिले से 2047 का संकल्प- 'विकसित भारत' का रोडमैप

आज़ादी के 8 दशकों में भारत ने प्रगति की मजबूत नींव रखी है। लालकिले से 2047 तक विकसित भारत के संकल्प और 'शक्ति की सप्तधारा' के साथ देश चुनौतियों को पार कर वैश्विक पटल पर नई पहचान बना रहा है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश को आजादी मिलने के बाद बीते करीब आठ दशक का सफर जहां बहुस्तरीय विकास का जीवंत उदाहरण है, वहीं इस दौरान लोगों ने बहुत सारे उतार-चढ़ाव भी देखे। मगर इस सबके बीच एक संकल्प कायम रहा कि जिन तूफानों और मुश्किलों का सामना करके देश ने स्वतंत्रता हासिल की थी, उसकी गरिमा को कायम रखना और भविष्य को ज्यादा बेहतर बनाना सभी का दायित्व है।इसमें आमतौर पर सभी नागरिकों ने अपने स्तर पर अपनी सीमा में हर संभव योगदान दिया है और इसे कर्तव्य की तरह निभाया है। यही वजह है कि हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर आजादी के आंदोलन को याद करते हुए देश के पास संतोष और उल्लास के साथ न केवल एक सुनहरे भविष्य का सपना होता है, बल्कि उसे जमीन पर उतारने का हौसला भी दिखता है।आबादी के ज्यादातर हिस्से के पास विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए अलग-अलग दौर की सरकारों ने जिस स्तर पर काम किया, उसे बहुत जटिल संघर्षों के बाद मिली स्वतंत्रता की गरिमा और सपने को नया आयाम देने के प्रयासों के तौर पर देखा जा सकता है।यों देश की उपलब्धियों को आजादी की लड़ाई के नायकों की भूमिका के आईने में देखना स्वाभाविक ही है, लेकिन हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संघर्ष की संवेदना को महसूस करने की अपनी अहमियत है। इस वर्ष भी यह उत्साह देश के अलग-अलग राज्यों में हर जगह दिखा। जाहिर है, इस अवसर पर जहां अतीत की उपलब्धियों को याद करना एक औपचारिक, लेकिन संवेदना से जुड़ा अध्याय है, वहीं भविष्य की बेहतरी के संकल्प भी जरूरी हिस्सा हैं।इसी संदर्भ में दिल्ली में लालकिले से प्रधानमंत्री ने भी एक बार फिर वक्त के सुनहरे अध्यायों को याद करते हुए देश को एक बेहतर भविष्य की दिशा में आगे ले जाने का संकल्प दोहराया। उनकी इस बात का अपना महत्त्व है कि देश के विकास के लिए बड़े सपने सोच का विस्तार करते हैं और दृढ़ संकल्प होने पर कठिनाइयों और आपदाओं के बीच से रास्ते निकालने की सामर्थ्य अपने आप सामने आती है।उन्होंने महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीब और मध्यवर्ग के परिवारों को साथ लेकर 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को दोहराया। विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं के लिए तैंतीस फीसद आरक्षण लागू करने के लिए सभी राजनीतिक दलों का आह्वान करने के साथ-साथ उन्होंने विकसित भारत बनाने के लिए 'शक्ति की सप्तधारा' का दृष्टिकोण भी साझा किया।दरअसल, यह देश की आत्मा में बसे उस जीवट का संकेत है, जिसका उदाहरण समय-समय पर दुनिया ने देखा है। यह सही है कि आज भी देश के सामने विकास की कसौटियों के समांतर अनेक जटिलताएं और चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं, लेकिन इन सबके बीच सामान्य स्थितियों से लेकर बेहद संवेदनशील और संकट जैसे हालात में भी लोगों ने धीरज के साथ देश की गति को बनाए रखने में अपना योगदान दिया है।

तुर्की-पाकिस्तान-सऊदी रक्षा समझौता- इस्लामिक एकजुटता या सिर्फ तात्कालिक स्वार्थों का मेल?

(ब्रह्मदीप अलुने)

तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब का मक्का रक्षा समझौता साझा सुरक्षा की जगह उनके अलग-अलग तात्कालिक स्वार्थों पर आधारित है। रणनीतिक विरोधाभासों और कमजोर आधार के कारण इसका दीर्घकालिक प्रभाव सीमित रहेगा। बहुस्तरीय गठबंधन अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को प्रभावित करने की क्षमता तो रखते हैं, लेकिन उनका प्रभाव तभी दीर्घकालीन होता है, जब उनके पीछे साझा रणनीतिक दृष्टि, पारदर्शिता, प्रतिबद्धता और स्थायी हित हों। केवल तात्कालिक स्वार्थों पर आधारित गठबंधन अक्सर बदलती परिस्थितियों के साथ कमजोर पड़ जाते हैं।

मक्का में तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुआ संयुक्त रक्षा समझौता इस संदर्भ में महत्त्वपूर्ण है। इसका मूल सिद्धांत है कि तीनों में से किसी एक देश पर सशस्त्र हमला सभी पर हमला माना जाएगा। पहली नजर में यह इस्लामिक दुनिया में सामूहिक सुरक्षा की नई शुरुआत जैसा दिखाई देता है, लेकिन इसकी वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है।

इसके केंद्र में पाकिस्तान की सुरक्षा बेचैनी, तुर्की की बढ़ती रणनीतिक महत्त्वाकांक्षा और सऊदी अरब की सुरक्षा चिंताएं नजर आती हैं। इस नए समीकरण में तीन देशों की अलग-अलग जरूरतें दिखाई देती हैं। तुर्की दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है। ईरान के खिलाफ सऊदी अरब सुरक्षा चाहता है, जबकि वित्तीय बदहाली से जूझते पाकिस्तान को आर्थिक सहारे की जरूरत है। यही तीनों जरूरतें इन्हें इस समय एक-दूसरे से जोड़ रही हैं।

तुर्की को केवल एक मुसलिम देश के रूप में देखना उसकी विदेश नीति को समझने में बड़ी भूल होगी। वह नाटो का सदस्य है और यूरोप का हिस्सा है, रूस के साथ रणनीतिक संबंध रखता है और ईरान से प्रतिस्पर्धा एवं सहयोग भी करता है। वह अरब दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में है तथा मध्य एशिया में अपने राष्ट्रवाद की सांस्कृतिक शक्ति का इस्तेमाल करता है।

तुर्की के राष्ट्रप्रमुख एर्दोआन रणनीतिक स्वायत्तता चाहते हैं, वे किसी एक शक्ति के पीछे चलने को तैयार नहीं हैं। तुर्की, अमेरिका से संबंध रखता है, लेकिन उस पर निर्भर नहीं रहना चाहता। वह रूस से व्यापार करता है, लेकिन उसके प्रभाव के अधीन नहीं होना चाहता। वह अरब देशों से प्रतिस्पर्धा करता है, लेकिन उन्हीं देशों की पूंजी और बाजार भी चाहता है।

यह भी दिलचस्प है की तुर्की और सऊदी अरब की प्रतिद्वंद्विता को दुनिया ने देखा है, वे मध्य-पूर्व में एक-दूसरे के प्रभाव को चुनौती देते रहे हैं। 'मुसलिम ब्रदरहुड' को लेकर दोनों के बीच गहरी खाई रही है। सीरिया और मिस्र की राजनीति में दोनों के रास्ते अलग थे। कतर संकट में भी तुर्की ने दोहा का साथ दिया, जबकि रियाद उसके विरोध में खड़ा था। तुर्की में बेरोजगारी बड़ा मसला है और अब वह सऊदी अरब में रणनीतिक अवसर ढूंढ़ रहा है।

वह सऊदी अरब को हथियार बेचना चाहता है और वहां से व्यापक निवेश की इच्छा रखता है। इसलिए इस उभरते सुरक्षा समीकरण को अभी नाटो जैसी संस्थागत सैन्य व्यवस्था का नाम देना सही नहीं है। नाटो की ताकत केवल उसके सदस्य देशों की सैन्य क्षमता में नहीं, बल्कि साझा संस्थाओं, एकीकृत कमान संरचना, नियमित सैन्य सहयोग, स्पष्ट दायित्वों और दशकों में विकसित सामूहिक सुरक्षा की राजनीतिक प्रतिबद्धता में है।

सऊदी अरब के पास पैसा है, ऊर्जा है, धार्मिक प्रतिष्ठा है और अरब दुनिया में प्रभाव भी है। मगर स्वतंत्र सैन्य सुरक्षा क्षमता उसके लिए बड़ी चुनौती है और वहां का नेतृत्व अब इस दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। इराक युद्ध, यमन संघर्ष, ड्रोन हमले और ईरान के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने सऊदी अरब को गहरी चिंता में डाल दिया है। सऊदी अरब अब तेल के साम्राज्य से आगे बढ़कर पूंजी, तकनीक, धर्म और रणनीतिक शक्ति के सहारे एक निर्णायक क्षेत्रीय शक्ति बनना चाहता है।

उसने अमेरिका से संबंध रखते हुए चीन के साथ आर्थिक तालमेल बढ़ाया है और रूस से भी उसे कोई परहेज नहीं है। उसने तुर्की और पाकिस्तान के साथ सुरक्षा सहयोग मजबूत कर ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश की है। तुर्किये का सपना है कि वह फिर से मध्य-पूर्व की निर्णायक शक्ति बने। वहीं पाकिस्तान चाहता है कि उसकी सैन्य शक्ति और परमाणु क्षमता उसे मुसलिम दुनिया और दक्षिण एशिया में अधिक रणनीतिक महत्त्व दिलाए तथा उसकी आर्थिक कमजोरियों को खाड़ी देशों की पूंजी और साझेदारियों से सहारा मिले। मगर इन तीनों देशों के समझौते की वास्तविक मजबूती अभी भविष्य के संकटों में परखी जानी बाकी है।

विरोधाभासों और आंतरिक चुनौतियों से घिरा पाकिस्तान अपनी विदेश नीति में बार-बार बाहरी शक्तियों का सहारा तलाशता रहा है। शीतयुद्ध के दौर में वह अमेरिका की रणनीतिक जरूरतों का महत्त्वपूर्ण सैन्य साझेदार बना और बदले में उसे आर्थिक सहायता, हथियार एवं सुरक्षा सहयोग मिला। मगर इस साझेदारी की कीमत भी पाकिस्तान को चुकानी पड़ी। अफगान युद्ध, कट्टरपंथ, आतंकवाद और आंतरिक अस्थिरता ने धीरे-धीरे उसके सामाजिक और सुरक्षा ढांचे को प्रभावित किया।

पाकिस्तान की समस्या यह है कि उसकी विदेश नीति अक्सर आंतरिक कमजोरी की भरपाई बाहरी गठबंधनों के सहारे करने की कोशिश करती दिखाई देती है। अमेरिका के बाद चीन, खाड़ी देशों और अब तुर्किये के साथ उसकी बढ़ती निकटता इसी प्रवृत्ति का हिस्सा है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता भारत है। अफगानिस्तान उसकी पश्चिमी सीमा पर चुनौती है। चीन उसका सबसे महत्त्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था लगातार बाहरी सहायता और निवेश की तलाश में रहती है। धार्मिक विचारधारा से परे तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब का सबसे दिलचस्प पक्ष 'मुसलिम ब्रदरहुड' है। हालांकि, इस मामले में तुर्किये और सऊदी अरब का दृष्टिकोण कभी एक जैसा नहीं रहा। तुर्की ने 'मुसलिम ब्रदरहुड' से जुड़े राजनीतिक समूहों के साथ सहानुभूति दिखाई, जबकि सऊदी ने उसे अपने लिए राजनीतिक खतरा माना। ऐसे में जाहिर है यह गठबंधन धार्मिक विचारधारा पर नहीं बना है। अगर 'मुसलिम ब्रदरहुड' वास्तव में इस गठबंधन की वैचारिक आधारशिला होता, तो तुर्की और सऊदी अरब एक साथ खड़े नहीं होते।

इसलिए इस गठबंधन का वास्तविक आधार इस्लाम नहीं, बल्कि अपने-अपने स्वार्थ हैं। सऊदी अरब की ईरान से पुरानी प्रतिस्पर्धा है। तुर्की और ईरान मध्य-पूर्व में प्रभाव के लिए एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी भी हैं। पाकिस्तान, ईरान से सीमा साझा करता है और किसी भी संघर्ष के दौरान सबसे कठिन स्थिति में आ सकता है। इसलिए इस नए गठबंधन के पीछे ईरान की छाया को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इस गठबंधन की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि तीनों देशों की रणनीतिक प्राथमिकताएं अलग हैं। सऊदी अरब की मुख्य चिंता ईरान और खाड़ी की सुरक्षा है, जबकि पाकिस्तान की सुरक्षा नीति का केंद्र भारत और दक्षिण एशिया है। तुर्किये के हित मध्य-पूर्व से आगे काकेशस, भूमध्यसागर, रूस और नाटो तक फैले हैं। ऐसे में किसी संकट की स्थिति में तीनों देशों की प्राथमिकताएं एक जैसी रहेंगी, यह निश्चित नहीं है।

इस गठबंधन की असली ताकत समझौते पर हस्ताक्षर में नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में एक-दूसरे के साथ खड़े रहने की क्षमता से तय होगी। पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान पाकिस्तान की मध्यस्थ की भूमिका और भारत-सऊदी अरब के बीच ऊर्जा, निवेश, व्यापार तथा रणनीतिक संबंधों की मजबूती से पता चलता है कि इस गठबंधन की सीमाएं स्पष्ट है। संकट की घड़ी में राष्ट्रीय हित साझा सुरक्षा प्रतिबद्धताओं पर भारी पड़ सकते हैं।

सऊदी अरब की मुख्य चिंता ईरान और खाड़ी की सुरक्षा है, जबकि पाकिस्तान की सुरक्षा नीति का केंद्र भारत और दक्षिण एशिया है। तुर्किये के हित मध्य-पूर्व से आगे काकेशस, भूमध्यसागर, रूस और नाटो तक फैले हैं। ऐसे में किसी संकट की स्थिति में तीनों देशों की प्राथमिकताएं एक जैसी रहेंगी, यह निश्चित नहीं है। इस गठबंधन की असली ताकत एक-दूसरे के साथ खड़े रहने की क्षमता से तय होगी।

(यह लेखक के अपने विचार है)

राजनीति, आंदोलन और 'जेन-जी'- क्या युवा वर्ग अब परंपरागत राजनीतिक दलों की भाषा से दूर हो चुका है?

(सुधीश पचौरी)

संसद के मानसून सत्र में मकर द्वार पर जारी राजनीतिक गतिरोध और 'जेन-जी' युवाओं का बढ़ता असंतोष यह स्पष्ट करता है कि देश में शिक्षा, रोजगार और बुनियादी मुद्दे राजनीतिक बयानबाजी की भेंट चढ़ रहे हैं। एक सूखी-सी खबर। शरद पवार की प्रधानमंत्री से मुलाकात। दूसरी सूखी-सी खबर- अकाली नेता सुखबीर सिंह बादल की प्रधानमंत्री से मुलाकात। क्यों मिले? क्या बात हुई? सब रहस्य। फिर फुकेट से दिल्ली आते एअर इंडिया के एक यात्री विमान के अचानक तीन सौ फुट नीचे तक गुलाटी मारने और कई यात्रियों के घायल होने की खबर। इसके बाद दो-दो 'डोप टेस्ट' में पायलट के गांजा फूंकने की पुष्टिज जांच के आदेश। इसके बाद एक दिन तमिलनाडु ने केंद्र को एक झटका-सा दे दिया कि 'तमिल एंथम' पहले गाया जाए, फिर राष्ट्रगान और इसके बाद 'वंदे मातरम्' गाया जाए।

झारखंड में 'परीक्षा सुधार' पर आंदोलन के बीस दिन। इस दौरान छात्र अहिंसक रहे और रोज पिटे। छह सौ गिरफ्तार हुए, मामले भी बने। भाजपा ने समर्थन में बंद रखा, लेकिन बाकी से मिला सिर्फ सिद्धांत कथन कि हम किसी पर भी हिंसा का समर्थन नहीं करते। केंद्र ने मांगें मानीं, लेकिन झारखंड के छात्रों की सीबीआइ की जांच की मांग किसने मानी?

अपना-अपना आंदोलन, अपना-अपना समर्थन! एक कानूनी प्रवक्ता कहिन कि आप 'जेन-जी' से अपना 'नेरेटिव' चलवा कर भारत को नष्ट तो कर सकते हैं, लेकिन आप नहीं जानते कि जेन जी के पीछे कौन खड़ा है! वे किसका 'नेरेटिव' चला रहे हैं! यह 'केरलम' का 'जनतंत्र' है कि एक शिक्षक ने प्रश्नोत्तरी में पूछ लिया कि अंग्रेजों के शासन में जेल की सबसे ज्यादा लंबी सजा किसे मिली? इतने पर ही उस शिक्षक को निलंबित कर दिया गया।

एक चैनल पर चर्चा में 'पोस्ट माडर्न जेन जी' का एक विखंडन-सा आया। सवाल रहे कि 22 करोड़ से अधिक की 'जेन जी जनता' कौन है? उनका क्या एजंडा है? एक ज्ञानी कहिन कि युवा वोटर अब स्थिर हो चुका है। ये शिक्षित हैं, डिजिटल हैं, आकांक्षी हैं। एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। दक्षिण एशिया में ये सत्ताएं बदल रहे हैं। राजनीतिक दल उनकी भाषा नहीं समझते।

दूसरी ज्ञानी कहिन- ये बेरोजगार हैं और सर्वत्र हैं। ये कह रहे हैं कि हमें शिक्षा का अधिकार दो। यह 'मोहभंग' की स्थिति में हैं। ये पिछड़ जाने से डरते हैं। भारत में वैसी विद्रोह की स्थिति तुरंत नहीं बन सकती। सबको रोजगार कोई नहीं दे सकता। तीसरा चुनावी ज्ञानी कहिन कि जेन जी में गहरा असंतोष है। चौथा ज्ञानी कहिन, सच है, 2024 में भाजपा को चार फीसद वोट कम मिला, उसे बहुमत नहीं मिला।

दूसरी ओर एक सवाल हुआ कि क्या ये हमेशा विरोधी रहने वाले हैं? जवाब में एक कहिन कि भारत की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या का कथित 'लाभ' अब एक 'चुनौती' बनता जा रहा है। इनमें सत्तर फीसद बेरोजगार 'एंग्री यंग मैन' हैं। एक ज्ञानी कहिन कि 2014 में इनको मोदी ने सपने दिए, अब वही मोहभंग की स्थिति में है। 'आइटी' में गिरावट काफी नुकसानदेह है। फिर एक कहिन कि ये 'इंस्टाग्रामी' हैं। यह पीढ़ी एक-दूसरे की नकल करती है। लोग मुफ्त राशन ले रहे हैं, लेकिन वोट विरोध में दे रहे हैं।लेकिन इनको कोई पूरी तरह संतुष्ट नहीं कर सकता।

मानसून सत्र विपक्ष के सतत विरोध में बहाज अंतिम दिन एक मिनट 'वंदेमातरम्' हुआ। फिर सदन अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गया। संसद में हर दिन विपक्ष का शोर हावी रहा। पोस्टर दिखते रहे, नारे लगते रहे। लोकसभा अध्यक्ष लाख कहें कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, आप चर्चा होने दें, लेकिन विपक्ष मानें तब न..! संसद की बहस भंग कर विपक्षी दल संसद के मकर द्वार के आगे हर रोज प्रदर्शन करते। एक-दो बार सत्ता दल ने भी विरोध में प्रदर्शन किया।

सत्ता पक्ष का आरोप रहा कि विपक्ष के नेता हर रोज मुद्दा बदलते रहे। गोल पोस्ट बदलते रहे। पहले कहा कि शिक्षामंत्री हटाए जाएं, जब वे हटा दिए गए, तो मांग करने लगे कि गृहमंत्री ने 'पैलेट गन' चलवाई, तो जिम्मेदार हुए और उनके अनजाने में चली तो 'अक्षम' हुए। दोनों ही स्थितियों में इस्तीफा बनता है, सो वे इस्तीफा दें। फिर संसदीय मंत्री ने बताया कि गृहमंत्री सदन में बयान देने पर सहमत हो गए हैं और चर्चा होगी।

अगले दिन संसदीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता ने फिर गोल पोस्ट बदल दी है। वे हमेशा गोल पोस्ट बदल देते हैं। चर्चा नियमों से होती है, वे नहीं होने देते। बताइए सत्ता पक्ष क्या करे! अंत में मकर द्वार पर एक 'नुक्कड़ नाटक' छाप नारा लगा।

फिर शाम को विपक्ष के नेता ने एक मंच से कहा, पता नहीं इनके दिमाग में कहां से घुस गया कि विदेश नीति का यह मतलब है फिर नेता, एक अन्य नेता की ओर दोनों हाथों को फैला कर बढ़ते हैं और झप्पी लेते हैं..। वे नेता तुरंत एक टिप्पणी करते दिखते हैं कि 'कहीं आपने मेलोनी समझ कर तो नहीं पकड़ा!' विपक्ष के नेता का बोलना जारी रहता है, सरकार लोगों को सुनना नहीं चाह रही। हम इनको पागल कर देंगे। वह सो नहीं पाता होगा। सत्ता पक्ष बिसूरता रहा कि ये कौन-सी भाषा है?

भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई सूची ने जो सियासी संकेत दिया है वह सबके समझ में आने वाली बात नहीं है

(नीरज कुमार दुबे)

आईटी और सोशल मीडिया सेल की कमान अब छत्तीसगढ़ के दीपक म्हास्के को दी गई है। वहीं अनिल बलूनी मीडिया प्रभारी की अपनी जिम्मेदारी पर कायम हैं। यानी भाजपा ने डिजिटल मोर्चे पर चेहरे में बदलाव किया है, लेकिन मीडिया प्रबंधन के मौजूदा ढांचे में निरंतरता बनाए रखी है।

नितिन नबीन की बहुप्रतीक्षित टीम का आज आखिरकार ऐलान हो ही गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने संगठन में लंबे समय से चल रही कवायद को अंजाम देते हुए अपनी नई राष्ट्रीय टीम सामने रख दी है। इस टीम में अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक समीकरण और चुनावी जरूरतों का ऐसा मिश्रण तैयार किया गया है, जिसमें पार्टी के पुराने दिग्गजों से लेकर नए चेहरों तक को जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन इस पूरी कवायद में दो फैसले राजनीतिक चर्चा के केंद्र में हैं। एक तो अमित मालवीय को आईटी सेल प्रमुख की जिम्मेदारी से बाहर का रास्ता दिखाया गया है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर भाजपा के शीर्ष संगठन में वापसी हुई है।

हम आपको बता दें कि आईटी और सोशल मीडिया सेल की कमान अब छत्तीसगढ़ के दीपक म्हास्के को दी गई है। वहीं अनिल बलूनी मीडिया प्रभारी की अपनी जिम्मेदारी पर कायम हैं। यानी भाजपा ने डिजिटल मोर्चे पर चेहरे में बदलाव किया है, लेकिन मीडिया प्रबंधन के मौजूदा ढांचे में निरंतरता बनाए रखी है। इस बदलाव को केवल संगठनात्मक फेरबदल मानना मुश्किल है। यह संकेत है कि नितिन नबीन डिजिटल और राजनीतिक नैरेटिव की लड़ाई में नई रणनीति और नए चेहरों के साथ उतरना चाहते हैं। साथ ही चूंकि नितिन नबीन छत्तीसगढ़ में पार्टी के प्रभारी रह चुके हैं ऐसे में वह जानते हैं कि उस राज्य के किस नेता की कार्यक्षमता का उपयोग कहां पर करना पार्टी के लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा। इसके अलावा,

नितिन नबीन की बहुप्रतीक्षित टीम का आज आखिरकार ऐलान हो ही गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने संगठन में लंबे समय से चल रही कवायद को अंजाम देते हुए अपनी नई राष्ट्रीय टीम सामने रख दी है। इस टीम में अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक समीकरण और चुनावी जरूरतों का ऐसा मिश्रण तैयार किया गया है, जिसमें पार्टी के पुराने दिग्गजों से लेकर नए चेहरों तक को जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन इस पूरी कवायद में दो फैसले राजनीतिक चर्चा के केंद्र में हैं। एक तो अमित मालवीय को आईटी सेल प्रमुख की जिम्मेदारी से बाहर का रास्ता दिखाया गया है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर भाजपा के शीर्ष संगठन में वापसी हुई है।

स्मृति ईरानी की वापसी इस टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश है। उन्हें उत्तर प्रदेश का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। आक्रामक राजनीतिक शैली, संसदीय अनुभव और विपक्ष के खिलाफ मुखर राजनीतिक लड़ाई के लिए पहचाने जाने वाली स्मृति ईरानी को संगठन के शीर्ष स्तर पर लाना बताता है कि भाजपा उत्तर प्रदेश जैसे निर्णायक राज्य में राजनीतिक सक्रियता को और धार देना चाहती है। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। उनके साथ तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत पांडा, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, एम. नागराजा, प्रो. तारिक मंसूर और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। छह महिला उपाध्यक्षों की मौजूदगी से महिला प्रतिनिधित्व का संदेश भी स्पष्ट है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय महासचिवों की टीम में विनोद तावड़े, सुनील बंसल, बिप्लब कुमार देब, स्मृति ईरानी, डॉ. सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया शामिल हैं। संगठन के स्तर पर बीएल संतोष राष्ट्रीय महासचिव संगठन बने हुए हैं, जबकि शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव संगठन की जिम्मेदारी मिली है। इसका अर्थ है कि नबीन ने संगठन की अनुभवी मशीनरी को बनाए रखते हुए राजनीतिक मोर्चे पर अपनी टीम को विस्तार दिया है।

साथ ही 16 राष्ट्रीय सचिवों की सूची में भी व्यापक क्षेत्रीय संतुलन दिखाई देता है। कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, डॉ. भोला सिंह, डॉ. प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, आम आदमी पार्टी से भाजपा में आये डॉ. संदीप पाठक और फांगनॉन कोन्याक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, डॉ. एम. वेंकटेशन, मनोज तिग्गा, सिद्धार्थ शंभु, डॉ. स्वदेश सिंह, मृगांका देब बर्मन, रोहन गुप्ता और जय प्रकाश को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। इनमें दक्षिण, पूर्वोत्तर, पूर्वी भारत, हिंदी पट्टी और शहरी राजनीतिक पृष्ठभूमि, सभी को जगह मिली है।

नई टीम के अन्य हिस्से भी राजनीतिक संकेत दे रहे हैं। केंद्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुघ और केंद्रीय कार्यालय सचिव महेंद्र पांडे बनाए गए हैं। नॉर्थ-ईस्ट कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी डॉ. संबित पात्रा और संयुक्त कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी राजीव बब्बर को दी गई है। सभी सेल्स के समन्वय की कमान विष्णु दत्त शर्मा को मिली है, जबकि ऋतुराज सिन्हा और विष्णु वर्धन रेड्डी संयुक्त समन्वयक होंगे। मोर्चों की कमान भी सामाजिक और चुनावी विस्तार को ध्यान में रखकर तय की गई है। युवा मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. हेमंग जोशी, महिला मोर्चा की अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष अमरपाल मौर्य, किसान मोर्चा के अध्यक्ष बंसीलाल गुर्जर, एससी मोर्चा के अध्यक्ष शिवेश कुमार राम, एसटी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. मन्नालाल रावत और अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बसीत अली बनाए गए हैं। इससे भाजपा ने समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच संगठनात्मक पहुंच को मजबूत करने की कोशिश की है।

वित्तीय मोर्चे पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और राजस्थान के राजेश मंगल को संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया है। पीयूष गोयल के प्रशासनिक और आर्थिक अनुभव का लाभ संगठन के वित्तीय प्रबंधन को मिल सकता है। पीयूष गोयल पहले भी पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रह चुके हैं। यहां सवाल यह है कि अब देखना यह होगा कि 'एक व्यक्ति एक पद' के सिद्धांत को महत्व देने वाली भाजपा क्या पीयूष गोयल से केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ने को कहती है या फिर वह दोनों पदों पर बने रहेंगे? कुल मिलाकर नितिन नबीन की टीम का संदेश साफ है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदाधिकारियों की सूची के रूप में नहीं, बल्कि चुनावी मशीनरी के रूप में कसना चाहती है।

माओवाद की बंदूक से वर्दी की जिम्मेदारी तक अर्जुन ने सुनाई सब इंस्पेक्टर बनने की प्रेरक कहानी

चेन्नई के मीडिया प्रतिनिधियों ने डीआरजी और एसटीएफजवानों से की चर्चा, नक्सल मुक्त बीजापुर में विकास की नई तस्वीर से हुए रूबरू

बीजापुर। कभी माओवादी संगठन की विचारधारा और हिंसा के साये में जीवन बिताने को मजबूर रहे अर्जुन ने अब उसी क्षेत्र में पुलिस की वर्दी पहनकर शांति और सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालते हुए अपने जीवन की नई इबारत लिखी है। माओवाद से प्रभावित जीवन से आत्मसमर्पण, पुनर्वास और फिर पुलिस विभाग में सेवा करते हुए सब इंस्पेक्टर के पद तक पहुंचने की उनकी कहानी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बदलाव और पुनर्वास नीति की सफलता की प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई। पीआईबी के डायरेक्टर अरुण कुमार पी के नेतृत्व में चेन्नई से आए मीडिया प्रतिनिधियों की टीम ने बीजापुर प्रवास के दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय में डीआरजी एवं एसटीएफ के जवानों से चर्चा की। इस दौरान जवानों ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बस्तर में माओवाद के प्रभाव, नक्सली आतंक, सुरक्षा बलों के अभियानों, आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास की प्रक्रिया तथा नक्सल मुक्त बीजापुर में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुभव साझा किए। डीआरजी के सब इंस्पेक्टर अर्जुन ने अपने जीवन का अनुभव साझा करते हुए बताया कि माओवादी आतंक के दौर में ग्रामीण परिवारों पर संगठन से जुड़ने का दबाव रहता था। इसी भय के कारण उन्हें भी बचपन में माओवादी संगठन में शामिल होना पड़ा। समय के साथ संगठन की गतिविधियों और उसकी हिंसक एवं संविधान विरोधी विचारधारा को करीब से देखने के बाद उनका मोहभंग हुआ। उन्होंने बताया कि लंबे समय तक भय के वातावरण में रहने के बावजूद उन्होंने हिम्मत जुटाई और आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। आत्मसमर्पण के बाद पुनर्वास का लाभ मिला और उन्हें डीआरजी में सेवा का अवसर प्राप्त हुआ। शुरुआत में गोपनीय सैनिक के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद लगातार मेहनत और बेहतर कार्य के माध्यम से उनकी पदोन्नति होती गई। वर्तमान में वे सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं और शीघ्र ही निरीक्षक पद पर पदोन्नत होने की उम्मीद है। अर्जुन की कहानी सुनकर मीडिया प्रतिनिधियों ने उनके जीवन के संघर्ष, आत्मसमर्पण के निर्णय और पुलिस सेवा तक के सफर को जाना। उन्होंने बताया कि समाज और क्षेत्र की सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं, यह उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलाव का प्रमाण है।

ऑपरेशन से लेकर आत्मसमर्पण तक बहुआयामी रणनीतिः इस दौरान डीएसपी विनीत साहू ने मीडिया प्रतिनिधियों को बस्तर में माओवाद के प्रभाव, नक्सली हिंसा, सुरक्षा बलों के सामने रही चुनौतियों तथा नक्सल विरोधी अभियानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नक्सलवाद के खिलाफ अभियान केवल सुरक्षा कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें क्षेत्र में सुरक्षा की पहुंच बढ़ाने, ग्रामीणों का विश्वास मजबूत करने, आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास को प्रोत्साहित करने तथा विकास कार्यों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने पर भी जोर दिया गया। नक्सल विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों के विभिन्न दस्तों के बीच बेहतर समन्वय, क्षेत्र में सतत निगरानी, प्राप्त सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई तथा संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने जैसे प्रयास किए गए। डीआरजी और एसटीएफ जैसे विशेष बलों ने चुनौतीपूर्ण भौगोलिक एवं परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसके साथ ही आत्मसमर्पण करने वाले लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें सम्मानजनक जीवन का अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया गया।

31 मार्च 2026 के बाद बदली बीजापुर की तस्वीरः बस्तर को 31 मार्च 2026 को नक्सल मुक्त घोषित किए जाने के बाद बीजापुर में बदलाव की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। लंबे समय तक माओवादी हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में अब सुरक्षा और विकास गतिविधियों को गति मिल रही है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासनिक पहुंच और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों के विस्तार के लिए वातावरण तैयार हुआ है। डीआरजी एवं एसटीएफ के जवानों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि नक्सल मुक्त बीजापुर को विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ते देखना उनके लिए संतोष और खुशी का विषय है। जवानों ने बताया कि लंबे समय तक जिन क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियों के कारण सामान्य गतिविधियां प्रभावित होती थीं, वहां अब लोगों में विश्वास बढ़ रहा है और विकास की गतिविधियां आगे बढ़ रही हैं।

जिला पत्रकार संघ सह प्रेस क्लब चुनाव: 12 नामांकन पत्र हुए जमा, अध्यक्ष पद के लिए 5 दावेदार मैदान में

नामांकन पत्रों की जांच, नाम वापसी और चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया शेष

बीजापुर। जिला पत्रकार संघ सह प्रेस क्लब बीजापुर के चुनाव को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। निर्वाचन प्रक्रिया अब निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है। चुनाव कार्यक्रम के तहत अब तक विभिन्न पदों के लिए कुल 12 नामांकन पत्र जमा किए जा चुके हैं, जिनमें अध्यक्ष पद के लिए सबसे अधिक 5 दावेदार मैदान में हैं। निर्वाचन अधिकारी अशोक मिश्रा एवं अयूब खान ने बताया कि मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन 1 अगस्त को किया गया था। दावा-आपत्ति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद संगठन विरोधी गतिविधियों के आरोप में 19 सदस्यों को निष्कासित करते हुए 13 अगस्त को 46 सदस्यों की संशोधित मतदाता सूची जारी की गई थी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 अगस्त से नामांकन पत्रों का वितरण प्रारंभ हुआ था। अध्यक्ष पद के लिए कमलेश पैंकरा, के. संतोष कुमार, गणेश मिश्रा, ईश्वर सोनी और बी. गौतम राव ने नामांकन दाखिल किया है। सचिव पद के लिए बसंत मामडीकर, इरशाद खान, आशीष पदमवार एवं बी. गौतम राव ने नामांकन पत्र जमा किए हैं। वहीं कोषाध्यक्ष पद के लिए बी. गौतम राव, सिरोज विश्वकर्मा और प्रशुन शर्मा ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की है। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार नामांकन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 19 अगस्त तथा नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त दोपहर 1 बजे तक निर्धारित थी। सभी प्रत्याशियों ने निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने नामांकन पत्र जमा कर दिए हैं। अब 21 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) की जाएगी। इसके बाद 22 अगस्त को नाम वापसी की प्रक्रिया संपन्न होगी। 23 अगस्त को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। मतदान 31 अगस्त को होगा तथा उसी दिन मतगणना के बाद परिणामों की घोषणा की जाएगी।

पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती का लोह नगरी किरंदुल में भव्य स्वागत एवं सम्मान

किरंदुल। देश की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से पद्मश्री से नवाजे जाने के पश्चात प्रथम बार लोह नगरी किरंदुल पहुंची छत्तीसगढ़ के सुदूर जिले की समाजसेविका पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती का डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन में भव्य सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नगर की महिलाओं द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन के मुख्य द्वार पर रोली-चंदन और पुष्पों से स्वागत के साथ हुई। तत्पश्चात सभागार में महिलाओं द्वारा पद्मश्री डॉ. ताती को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह, शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं द्वारा मनमोहक स्वागत नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। एनएमडीसी एससी-एसटी कर्मचारी कल्याण संघ किरंदुल के अध्यक्ष बी.एल. तारम, संयुक्त सचिव पतिराम बघेल, कोषाध्यक्ष कुशल ध्रुव, किरंदुल भाजपा मंडल अध्यक्ष रामकृष्ण बैरागी एवं किशोर रामटेके उपस्थित रहे। पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती के सम्मान से पूरे लोह नगरी में हर्ष एवं गौरव का माहौल है।

विजय सोढ़ी, वरिष्ठ नागरिक अतुल सिंह, भाजपा नेता रविंद्र सोनी, जिला भाजपा उपाध्यक्ष धर्मपाल मिश्रा, भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के राजेश वेपरल, कोडेनार पंचायत के उप सरपंच तपन दास, पत्रकार

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने किया पौधारोपण

कोण्डागांव। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार पौधारोपण किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जिला कार्यालय परिसर में जिला पंचायत अध्यक्ष रीता सोरी एवं उपाध्यक्ष हीरासिंह नेताम सहित जिला पंचायत सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई सहित अन्य अधिकारियों ने भी पौधारोपण किया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

स्वतंत्रता दिवस पर जिलेभर में गूंजा साक्षरता का संदेश उल्लास महा-चौपाल में संस्थाओं ने निभाई सहभागिता

कोण्डागांव। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर शिक्षा और साक्षरता को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिलेभर में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत उल्लास महा-चौपाल का आयोजन किया गया। राज्य स्तर से जारी निर्देशों के परिपालन में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखण्डों में शैक्षणिक संस्थानों, विभागों सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को साक्षरता शिक्षा और जनजागरूकता से जोड़ते हुए आयोजित महा-चौपाल में नवसाक्षरों, स्वयंसेवी शिक्षकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए नवसाक्षरों को सीखने की प्रक्रिया निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया गया। उल्लास महा-चौपाल के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर अनेक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। शैक्षणिक संस्थानों एवं सहभागी संस्थाओं द्वारा नारा लेखन, मशाल रैली,मोबाईल टार्च रैली, उल्लास शपथ, सेल्फी प्वाइंट, कहानी वाचन, रंगोली निर्माण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से साक्षरता के महत्व को रोचक एवं प्रभावी तरीके से लोगों तक पहुंचाया गया। रैलियों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि पढ़ना-लिखना केवल व्यक्तिगत विकास का माध्यम नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति की मजबूत आधारशिला है।

साक्षरता किसी एक विभाग की नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारीः जिले में उल्लास महा-चौपाल के आयोजन से जिलेभर में साक्षरता को लेकर उत्साहपूर्ण वातावरण निर्मित हुआ। विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों की व्यापक सहभागिता ने यह संदेश दिया कि साक्षरता केवल किसी एक विभाग का विषय नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में नवसाक्षरों को शिक्षा से निरंतर जुड़े रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी शिक्षा के प्रति प्रेरित करने का संदेश दिया गया। सामूहिक प्रयासो के माध्यम से जिले में साक्षर समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया गया। स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित उल्लास महा-चौपाल ने, उल्लास, को जन-जन तक पहुंचाने और साक्षरता को जन आंदोलन का स्वरूप् देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर आयोजित यह आयोजन शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने और प्रत्येक व्यक्ति को ज्ञान की मुख्यधारा से जोड़ने के सामूहिक संकल्प का प्रतिक बना।

सेल्फी पाइंट बना आकर्षण का केंन्द्रः उल्लास महा-चौपाल के दौरान सेल्फी पाइंट बना आकर्षण का केंन्द्र रहा, जिसमे मुख्य अतिथि सांसद कांकेर भोजराज नाग द्वारा सेल्फी लेकर समस्त नागरिकों को उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

बीआईओपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल किरंदुल में पुष्प निर्माण एवं हिंदी सुलेख प्रतियोगिता सम्पन्न

किरंदुल। बीआईओपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, किरंदुल में पुष्प निर्माण प्रतियोगिता एवं हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सीसीए प्रभारी अनुपमा भद्र के नेतृत्व में एवं विद्यालय की प्राचार्या के. वसंती के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कागज व वेस्ट मटेरियल से आकर्षक पुष्प बनाए तथा सुंदर हिंदी लेखन प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता एवं हिंदी भाषा के प्रति प्रेम जागृत करना था। इस आयोजन में विद्यालय की छाया वेलडन, शिक्षक श्रीकांता राम लक्ष्मण, रुचि पाल, अनीता वर्मा, साधना, हेमलता, हर्षित सोनी एवं सुनील लस्कर का विशेष सहयोग रहा। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी गई।

अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों पर कोण्डागांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कोण्डागांव। पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चन्द्रा द्वारा जिले में अवैध गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में थाना कोंडागांव प्रभारी निरीक्षक सौरभ उपाध्याय के नेतृत्व में कोण्डागांव पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग एवं संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी की जा रही है। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि नया बस स्टैण्ड, चिखलपुटी, कोण्डागांव में तीन व्यक्ति पिट्ठू बैग एवं हाथ बैग में गांजा रखकर रायपुर जाने वाली बस का इंतजार कर रहे है। सूचना की पुष्टि एवं कार्रवाई हेतु पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर पूछताछ एवं तलाशी लेने पर उनके संयुक्त कब्जे से 03 पैकेटों में कुल 05.980 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 59,800/-, 02 नग मोबाइल फोन एवं 300/- नगद बरामद हुआ। मामले में आरोपियों का कृत्य धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पाए जाने पर विधिवत कार्रवाई की गई। दोनों वयस्क आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल दाखिल किया गया। विधि से संघर्षरत बालक को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई उपरांत किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

अधिकारों की जानकारी से सशक्त होंगे युवा आईटीआई विश्रामपुरी में विधिक जागरूकता शिविर

कोंडागांव। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) विश्रामपुरी में अधिकार मित्र एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विधिक जागरूकता एवं साइबर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता तथा विभिन्न कानूनों एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक करना रहा। शिविर में अधिकार मित्र लैला मरकाम द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों, समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शिक्षा के अधिकार तथा प्रत्येक नागरिक को प्राप्त विधिक संरक्षण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके साथ ही किसी व्यक्ति के साथ अन्याय होने, कानूनी विवाद उत्पन्न होने अथवा अपने अधिकारों का हनन होने की स्थिति में उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में बताया गया। प्रशिक्षणार्थियों को महिलाओं एवं बच्चों के संरक्षण से संबंधित कानूनों की जानकारी देते हुए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, बाल संरक्षण संबंधी प्रावधान, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम तथा महिलाओं के कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम से संबंधित कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। शिविर में निःशुल्क विधिक सेवा के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों को न्यायालयीन मामलों में मिलने वाली सहायता, विधिक परामर्श, अधिवक्ता उपलब्ध कराने तथा लोक अदालत एवं मध्यस्थता के माध्यम से विवादों के सरल एवं शीघ्र समाधान के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र व्यक्ति न्याय प्राप्त करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को फर्जी कॉल, लिंक, सोशल मीडिया फ्रॉड, ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी, ओटीपी एवं पासवर्ड साझा करने से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत किया गया तथा साइबर अपराध होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम ने बिलासपुर स्टेशन पर बिछड़े दृष्टिबाधित यात्री को सुरक्षित परिजनों से मिलाया

बिलासपुर। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर वाणिज्य विभाग की 'स्पेशल सेल' ने तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए परिवार से बिछड़े एक दृष्टिबाधित (नेत्र दिव्यांग) यात्री को सुरक्षित खोजकर उनके परिजनों से मिलाया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर एक परिवार बिलासपुर से नागपुर जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचा था। स्टेशन परिसर में यात्रियों की आवाजाही के दौरान परिवार का एक दृष्टिबाधित सदस्य अचानक अपने परिजनों से अलग हो गया। यात्री के लापता होने से चिंतित परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना ऑन-ड्यूटी 'स्पेशल सेल' को दी। सूचना मिलते ही स्पेशल सेल की टीम ने बिना समय गंवाए स्टेशन परिसर में खोजबीन शुरू की। टीम ने स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में सघन तलाश करते हुए कुछ ही समय में यात्री को सुरक्षित खोज निकाला और उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द किया। अपने परिजन को सकुशल पाकर परिवार ने राहत की सांस ली। परिजनों ने स्पेशल सेल की त्वरित कार्रवाई, संवेदनशीलता और सहयोग के लिए रेलवे प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात पूरा परिवार सुरक्षित रूप से नागपुर के लिए रवाना हुआ। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया वाणिज्य विभाग की स्पेशल सेल द्वारा की गई यह त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई, यात्रियों, विशेषकर दिव्यांग एवं जरूरतमंद यात्रियों की सहायता के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बिना टिकट यात्रा के विरुद्ध बिलासपुर स्टेशन में चला नाका टिकट चेकिंग अभियान

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा टिकटधारी यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने, यात्रियों में वैध टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से निरंतर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 20 अगस्त 2026 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मंडल के बिलासपुर स्टेशन एवं चांपा-बिलासपुर-भाटापारा सेक्शन में सघन नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक एवं टीटीई स्टाफशामिल थे। इस अभियान के दौरान बिलासपुर स्टेशन एवं यहाँ से गुजरने वाली 26 ट्रेनों की सघन जांच कर कुल 385 मामलों से कुल 3,17,410 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा के 285 मामलों से 02 लाख 59 हजार 800 रुपये, अनियमित टिकट के 77 मामलों से 55 हजार 105 रुपये तथा बिना बुक किए गए लगेज के 23 मामलों से 02 हजार 505 रुपये का जुर्माना शामिल है रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व उचित यात्रा टिकट अवश्य लें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश हेतु प्लेटफॉर्म टिकट खरीदें। साथ ही रेलगाड़ी एवं रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें तथा गंदगी फैलाने एवं धूम्रपान जैसी गतिविधियों से बचें। रेलवे राष्ट्र की महत्वपूर्ण सार्वजनिक संपत्ति है, इसकी सुरक्षा एवं स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

ईद-ए-मिलाद एवं गणेश चतुर्थी पर्व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का लिया गया निर्णय

कलेक्टर-एसएसपी की अध्यक्षता में शान्ति समिति की बैठक संपन्न

बिलासपुर। आगामी ईद-ए-मिलाद (मिलाद-उन-नबी) एवं गणेश चतुर्थी पर्व को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं एसएसपी रजनेश सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ईद-ए-मिलाद (मिलाद-उन-नबी) एवं गणेश चतुर्थी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में नगर निगम को ईदगाह एवं प्रमुख मार्गों की साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था, पुलिस विभाग को यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था तथा सीएसईबी को निर्बाध विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उक्त पर्वों के दौरान सड़क पर पंडाल लगाकर यातायात बाधित नहीं करने तथा समितियों द्वारा पुलिस को स्वयंसेवकों की सहायता उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। साथ ही ईद-ए-मिलाद पर्व के दौरान भी सड़क पर पंडाल लगाकर यातायात बाधित न हो। इसकी निगरानी रखी जाए। विद्युत तारों से किसी प्रकार की दुर्घटना न हो इसका विशेष ध्यान रखने कहा गया। पंडाल में पर्याप्त स्वयंसेवकों की व्यवस्था हो, इसके निर्देश दिए गए। सभी समितियों, कमिटियों को पर्व के दौरान पंडाल लगाने के लिए संबंधित थाना प्रभारी एवं एसडीएम से अनुमति लेने कहा गया। गणेश विसर्जन के लिए रूट चार्ट एवं पार्किंग स्थल निर्धारित करने के निर्देश दिए गए। समितियों को विसर्जन स्थल एवं रूट की जानकारी संबंधित थाना प्रभारी को देने के निर्देश दिए गए। सभी पूजा पंडाल एवं आसपास सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य होगा। पूजा पंडालों में मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने के निर्देश दिए गए है। पुलिस विभाग को मंदिरों, मस्जिदों, गणेश पंडालों, संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों तथा विसर्जन स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात करने कहा गया। सभी पूजा पंडालों एवं आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाना तथा मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करना अनिवार्य किया गया। पर्व के दौरान भंडारा एवं लंगर में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, दोना-पत्तल एवं डस्टबिन की व्यवस्था रखने तथा सड़क पर वाहन रुकवाकर प्रसाद वितरण नहीं किया जाए। जिला अस्पताल को भी पर्व के दौरान आवश्यक आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित रखने कहा गया। पुलिस विभाग को पर्व के दौरान शहर के समस्त चौक-चौराहों एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए सुरक्षा बल तैनात करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को पर्व के दौरान निरंतर विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य विभागों को जिम्मेदारी सौंपते हुए सजग रहने कहा गया। समिति के सदस्यों ने शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाने का भरोसा दिलाया। बैठक में एडीएम शिवकुमार बनर्जी, एडिशनल कमिश्नर नगर निगम खंजाची कुमार, एसडीएम मनीष साहू, संयुक्त कलेक्टर रजनी भगत, सीएसपी सिविल लाईन परमेश्वर तिलकवार, शांति समिति के सदस्य हबीब मेमन, चंचल सलूजा, मनजीत सिंह अरोरा, विकास शर्मा, प्रवीण झा, विक्रांत केशरवानी, राजेश मिश्रा, प्रबीर सेन गुप्ता, प्रदीप कुमार शर्मा, सुधीर खण्डेलवाल, इरशाद अली, अनिल कुमार गौरहा अन्य सदस्य एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

महतारी वंदन योजना की किश्त से सोनम साहू के चेहरे पर आई खुशी

राखी का बंधन, खुशियों का संसार, महतारी वंदन से बहनों को संबल अपार

रक्षाबंधन से पहले विष्णु भैया से मिला उपहार

बिलासपुर। महतारी वंदन योजना की 30वीं किश्त प्राप्त होने से शहर की श्रीमती सोनम साहू के लिए रक्षाबंधन का त्योहार और भी खास हो गया है। रक्षाबंधन से पहले खाते में राशि मिलने पर सोनम साहू ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह राशि उनके लिए आर्थिक सहारा होने के साथ भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और भी यादगार बनाने का अवसर लेकर आई है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार द्वारा महिलाओं की बेहतरी के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। अपनी खुशियां बयां करते हुए उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन से पहले विष्णु भैया से बहनों को संबल मिला है। सोनम साहू ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत प्राप्त राशि का उपयोग वह अपने भाई के लिए रक्षासूत्र (राखी) खरीदने और रक्षाबंधन की अन्य तैयारियों में करेंगी। उन्होंने कहा कि त्योहार के अवसर पर मिलने वाली यह आर्थिक सहायता उनके लिए बेहद उपयोगी है। इससे वे अपनी जरूरतों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व है। ऐसे समय में महतारी वंदन योजना की किश्त मिलना उनके लिए खुशी को दोगुना करने वाला है। उन्होंने योजना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिलने से वे अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर महसूस कर रही हैं। सोनम साहू ने कहा कि योजना की राशि से महिलाओं को अपने परिवार की जरूरतों में सहयोग करने के साथ त्योहारों को भी खुशी और उत्साह के साथ मनाने का अवसर मिल रहा है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए आर्थिक संबल का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है।

संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनाई

बिलासपुर। रतनपुर रत्नदेव साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति द्वारा श्री राधा माधव धाम में संत शिरोमणि विप्र कुल गौरव गोस्वामी तुलसीदास की जयंती एवं विष्णु स्मारक ग्रंथ पुनर प्रकाशन मंडल के सदस्यों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा श्री राधा माधव व गोस्वामी तुलसीदास की पूजा अर्चना के साथ की गई इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महंत दिव्यकांत जी महाराज रहे वही कार्यक्रम की अध्यक्षता रत्नदेव साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष बलराम पांडे ने तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में किशन लाल तंबोली, के आर कौशिक, शंकर लाल पटेल, श्रीमती राजकुमारी बिसेन महिला मोर्चा भाजपा मंडल अध्यक्ष श्रीमती डॉक्टर नीलम सिंह रही स्वागत भाषण होरीलाल गुप्ता ने दिया मुख्य अतिथि महोदय ने अपने उद्बोधन में रामचरितमानस को आदर्श जीवन जीने का ग्रंथ बताया उन्होंने कहा कि इस ग्रंथ में परिवार के सभी सदस्यों के एक दूसरे के प्रति कर्तव्य को बतलाया गया है इसके अनुरूप हम चलकर एक आदर्श समाज की स्थापना कर सकते हैं वही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बलराम पांडे ने गोस्वामी तुलसीदास जी की जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म ही संघर्ष से शुरू हुआ जन्म के समय ही उनकी माता का निधन हो गया पिता ने उनका त्याग कर दिया दासी ने उनका पालन पोषण किया लेकिन उन्होंने भी उसे बाद में त्याग दिया इस प्रकार उनका पूरा जीवन संघर्ष से भरा रहा और यही संघर्ष की परिणिति रामचरितमानस ग्रंथ की रचना के रूप में हुई द्वितीय सत्र में विष्णु स्मारक ग्रंथ के पुनर प्रकाशन मंडल के सदस्यों बलराम पांडे, राजेंद्र मिश्रा, राजेंद्र दुबे, विकल जायसवाल, भागीरथी सोनी, शिवानंद पांडे ,अनिल अग्रवाल, होरीलाल गुप्त, ज्ञान आधार शास्त्री, आनंद नगर कर, मुकेश जोशी, दिनेश पांडे का सम्मान किया गया ज्ञात हो की सन् 1944 में श्री विष्णु महायज्ञ के पश्चात इस ग्रंथ का प्रकाशन किया गया था जो बहुत कम लोगों के पास रह गया था इसका पुनर प्रकाशन इन धर्म प्रेमियों के द्वारा किया गया।

नशे के सौदागरों पर बिलासपुर पुलिस की कार्रवाई का त्वरित परिणाम, 3 आरोपियों को 15-15 साल की सजा

बिलासपुर। नशीली दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ बिलासपुर पुलिस की कार्रवाई में महत्त्वपूर्ण सफलता मिली है। थाना सिटी कोतवाली में दर्ज ह्छक्क एक्ट के प्रकरण में माननीय विशेष ह्छक्क न्यायालय, बिलासपुर ने तीन आरोपियों को दोषसिद्ध करते हुए प्रत्येक को 15-15 वर्ष के कठोर कारावास और 1.50 लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। खास बात यह है कि प्रकरण का विचारण लगभग 7 माह में पूरा हुआ। मामला अपराध क्रमांक 488/2025, धारा 21, 22 ह्छक्क एक्ट से संबंधित है। पुलिस ने 8 और 9 सितंबर 2025 को कार्रवाई करते हुए कुल 114 नग प्रत्येक 2 रू्क यानी कुल 228 रू्क नशीली दवा बरामद की थी। इसके साथ ही प्रकरण में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक ष्टत्र10/ब्रह्2344, जिसकी कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है, भी जब्त की गई थी। 8 सितंबर 2025 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर सिटी कोतवाली पुलिस ने ज्वाली नाला के पास दबिश दी। कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों के कब्जे से 62 नग ब्ह्रश्चद्रठ्ठश्ल्रश्चद्धद्ग ढ्ढठ्ठद्भद्गष्ह्लद्बशठ्ठ बरामद किए गए। इसके बाद 9 सितंबर को आरोपी दुर्गा वर्मा के कब्जे से 52 नग इंजेक्शन बरामद किए गए। इस तरह कुल 114 नग नशीले इंजेक्शन पुलिस के हाथ लगे। इस मामले में पुलिस ने प्रभावी और साक्ष्य-आधारित विवेचना पूरी कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई के बाद विशेष ह्छक्क न्यायालय ने तीनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को 15 वर्ष के कठोर कारावास और 1.50 लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के निरंतर प्रयास...... !

■ वृक्षारोपण और जल संरक्षण से बढ़ रही हरियाली, बिलासपुर रेल क्षेत्र की हरित छटा बनी आकर्षण का केंद्र...

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए वर्षभर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे द्वारा पर्यावरण संरक्षण को केवल किसी विशेष दिवस तक सीमित न रखते हुए विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों के माध्यम से हरित एवं टिकाऊ रेल परिवेश विकसित करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। तीन वर्षों में 6 लाख से अधिक पौधों का रोपण- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेलवे परिसरों, कॉलोनियों एवं उपलब्ध खाली स्थानों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कर हरित क्षेत्र का विस्तार किया जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में 6 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। इन प्रयासों का सुंदर उदाहरण बिलासपुर का रेलवे क्षेत्र है, जहां रेलवे कॉलोनियों एवं विभिन्न रेल परिसरों में चारों ओर दिखाई देने वाली घनी हरियाली और वृक्षों की कतारें इस क्षेत्र को एक प्राकृतिक 'ऑक्सीजोन' जैसा स्वरूप प्रदान करती हैं। यह हरियाली रेलवे परिसर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुखद वातावरण के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। तालाबों के निर्माण एवं पुनर्विकास से जल संरक्षण को बढ़ावा- पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जल संसाधनों के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्षाजल के संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेलवे परिसरों में नए तालाबों का निर्माण तथा पुराने तालाबों का पुनर्विकास एवं नवीनीकरण किया जा रहा है। पिछले पांच वर्षों में 17 नए तालाबों का निर्माण तथा 04 तालाबों का नवीनीकरण किया गया है। इन जल संरचनाओं के माध्यम से वर्षाजल का बेहतर संचयन, भू-जल स्तर को बनाए रखने तथा जल संसाधनों के संरक्षण में मदद मिल रही है।

15 अगस्त आयोजन में पंचों की अनदेखी का आरोप,ग्राम पंचायत बैमा में विवाद...

बिलासपुर। ग्राम पंचायत बैमा में 15 अगस्त 2026 के राष्ट्रीय पर्व के आयोजन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पंचायत के निर्वाचित पंचों ने सरपंच और सचिव पर नियमों की अनदेखी,मनमानी तथा पंचों को विश्वास में लिए बिना पंचायत का कामकाज संचालित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पंचों ने मामले की शिकायत कलेक्टर संजय अग्रवाल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल से करते हुए निष्पक्ष जांच तथा जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पंचों का आरोप है कि स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व के आयोजन को लेकर पंचायत की सामान्य सभा अथवा आवश्यक बैठक नहीं बुलाई गई। 15 अगस्त को आयोजित मुख्य ध्वजारोहण कार्यक्रम में निर्वाचित पंचों को न तो विधिवत सूचना दी गई और न ही सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया गया। पंचों का कहना है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की इस तरह अनदेखी पंचायत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और जनप्रतिनिधियों के सम्मान पर गंभीर सवाल खड़े करती है। पंचायत की राशि के उपयोग पर भी उठे सवाल- शिकायत में राष्ट्रीय पर्व के आयोजन में पंचायत की राशि के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। पंचों ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम पर सरकारी राशि खर्च करने से पहले आवश्यक प्रक्रिया, प्रस्ताव और पंचायत स्तर पर विचार-विमर्श किया गया या नहीं, इसकी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने आयोजन से संबंधित स्वीकृति, प्रस्ताव, बिल-वाउचर और भुगतान सहित सभी अभिलेखों की जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही पंचों ने पंचायत के पूर्व कामकाज और बैठकों के रिकॉर्ड की भी जांच की मांग की है। उनका

कहना है कि इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि पंचायत में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बैठकें आयोजित की गई या नहीं तथा निर्णय प्रक्रिया में निर्वाचित पंचों को उचित भूमिका दी गई या नहीं। कलेक्टर व मुख्य कार्यपालन अधिकारी से निष्पक्ष जांच की मांग- पंचों ने जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल को शिकायत सौंपकर पंचायत के कामकाज, स्वतंत्रता दिवस आयोजन और सरकारी राशि के उपयोग से जुड़े आरोपों की जांच की मांग की है। वहीं कलेक्टर संजय अग्रवाल को भी शिकायत देकर प्रशासनिक स्तर पर हस्तक्षेप करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वाले जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने कहा 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्व में लापरवाही निंदनीय - इस मामले पर अंकित गौरहा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक उदासीनता के कारण यदि 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्व के आयोजन में भी कर्मचारियों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को सम्मानपूर्वक आमंत्रित कर कार्यक्रम को व्यवस्थित तरीके से आयोजित करना भी आवश्यक नहीं समझा जा रहा है, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की एकता,लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा अवसर है। ऐसे कार्यक्रमों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान और उनकी गरिमापूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करना प्रशासन और पंचायत की जिम्मेदारी है। अंकित गौरहा ने कहा कि यदि शिकायत में लगाए गए आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों अथवा पंचायत पदाधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ ठोस और नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो।

हाईकोर्ट ने 56 नए सिविल जजों को दी पहली पोस्टिंग, 15 न्यायिक अधिकारियों के तबादले

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने पीएससी के जरिए चुने गए 56 नए सिविल जजों की पोस्टिंग, 15 न्यायिक अधिकारियों के तबादले और पोस्टिंग आदेश जारी किए हैं। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव द्वारा जारी विभिन्न आदेशों और अधिसूचनाओं के तहत हायर ज्यूडिशियल सर्विस और लोअर ज्यूडिशियल सर्विस के कई जजों के तबादले किए गए हैं। इसके साथ ही राज्य शासन द्वारा प्रोबेशन पर नियुक्त 56 नए सिविल जजों (जूनियर डिवीजन) को पहली पदस्थापना दी गई है। इन सभी नव-नियुक्त अधिकारियों को 29 अगस्त तक अपनी पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा हायर न्यूडिशियल सर्विस के 5 जजों का तबादला किया गया है। दंतेवाड़ा परिवार न्यायालय के जज हरीश कुमार अवस्थी को प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रायपुर बनाया गया है। ममता पटेल को अंबिकापुर से द्वितीय अतिरिक्त एवं सत्र न्यायाधीश बिलासपुर, ज्योति अग्रवाल को पेंड्रारोड से न्यायाधीश राजनांदगांव, नमिता मिंज भास्कर को धमतरी से न सिंह साहू को राजनांदगांव से अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफटीसी) दंतेवाड़ा पदस्थ किया गया है। इसके अलावा, रायपुर के प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरज शर्मा को एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट के तहत रायपुर विशेष अदालत का विशेष न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

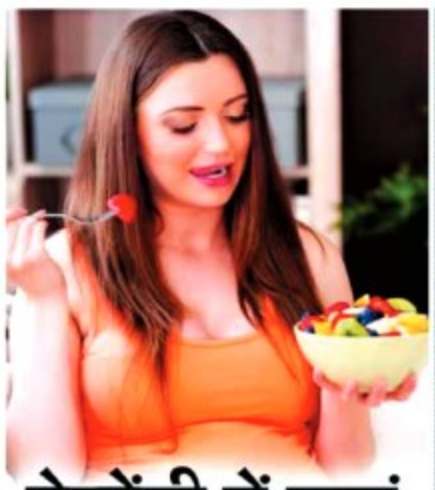

प्रेग्नेंसी में खाएं ये चीजें डिलीवरी में नहीं होगी परेशानी

गर्भावस्था हर महिला के जीवन का एक खूबसूरत समय होता है और इस दौरान स्वस्थ आहार एक प्रमुख भूमिका निभाता है, क्योंकि यह आपके और आपके अजन्मे बच्चे दोनों के पोषण के लिए जरूरी है। अक्सर महिलाएं इस बात को लेकर चिंतित रहती हैं कि वह क्या ऐसा खाएं कि उन्हें प्रेगनेंसी में कॉम्प्लिकेशन ना हो और उनका बच्चा भी तंदुरुस्त रहे। कई बार महिलाएं ऑनलाइन दिखती है या दोस्तों या रिश्तेदारों से सलाम मांगती हैं कि कौन से खाद्य पदार्थ खाने चाहिए और किन चीजों से बचना चाहिए। हालांकि यह जानकारी कई बार सही भी नहीं होती है। ऐसे में पेशेवर की सलाह लेना जरूरी होता है। आज हम आपको एक्सपर्ट की बताए उन खाद्य पदार्थों के बारे में बता रहे हैं जिससे आपको और आपके बच्चे को लाभ पहुंचेगा। आपकी गर्भावस्था यात्रा को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी

- एक्सपर्ट बताती है की प्रेग्नेंसी के दौरान संतुलित आहार खाना आपके बच्चे को विकसित होने के लिए जरूरी है। गर्भावस्था के दौरान अपर्याप्त पोषण से बाद के जीवन में हृदय रोग मधुमेह और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है।
- गर्भवती माता के लिए अनाज,फलिया मेवे, बीज, फल, सब्जियां लीन मीट,डेरी उत्पादन और समुद्री भोजन से भरपूर संतुलित आहार की सिफारिश की जाती है। यह उनके स्वास्थ्य और भ्रूण के स्वास्थ्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व की गारंटी देता है।
- गर्भवती महिलाओं को अत्यधिक कैफीन के सेवन के साथ ही पैक्ड जूस से दूर रहने की सलाह दी जाती है।
- दैनिक भोजन में हरी सब्जियों को खाने पर जोर दिया जाता है। इससे कई सारे पोषक तत्व मिलते हैं, खास कर पालक का सेवन करना चाहिए, इसे खून बढ़ाने में मदद मिलती है। इसी तरह पर अपनी डाइट में मौसमी फलों को शामिल करना भी जरूरी है।
- इसके अलावा गर्भवती महिलाओं को बड़े हिस्से के बजाय दिन भर में छोटे-छोटे भोजन का सेवन करना चाहिए। स्वस्थ नाश्ते के विकल्प के रूप में मुट्ठी भर मिक्स मेवे खाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- हाइड्रेशन इन सब में सबसे जरूरी है हर रोज तीन लीटर पानी पीने की सलाह दी जाती है जिसमें सादा पानी, नींबू पानी,छाछ सब्जी या चिकन सूप जैसे अलग-अलग तरल पदार्थ को शामिल किया जा सकता है।
- कच्चे या अधपका मांस को खाने से बचना चाहिए, इनमें हानिकारक पदार्थ मौजूद होते हैं जो कॉम्प्लिकेशंस को बढ़ा सकते हैं।

अपने कोलेस्ट्रॉल लेवल पर रखें नजर

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना सेहत के लिए गंभीर संकेत है। इस मोम की तरह दिखने वाले चिपचिपे पदार्थ के बढ़ने से खून की नसें ब्लॉक हो सकती हैं, जिससे ब्लड फ्लो थम सकता है या धीमा हो सकता है। ऐसे होने से आपको कई तरह के दिल के रोग, हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर और जानलेवा समस्याओं का खतरा हो सकता है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए हर किसी के लिए अपने कोलेस्ट्रॉल लेवल पर नजर रखना जरूरी है।

कोलेस्ट्रॉल के क्या लक्षण हैं?

इससे हाथों और पैरों में झुनझुनी महसूस हो सकती है। इसकी वजह यह है कि जब नसों में खून का प्रवाह धीमा हो जाता है या रुकावट होती है, तो शरीर के विभिन्न अंगों तक खून नहीं पहुंच पाता है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण हैं। हाई फैट वाली चीजों का अधिक सेवन, स्मोकिंग, शराब का सेवन, एक्सरसाइज न करना और अधिक वजन होना आदि की वजह से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ सकता है।कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने से आपको अपने हाथ-पैरों की उंगलियों में क्या-क्या लक्षण महसूस हो सकते हैं और कोलेस्ट्रॉल से बचने के लिए या कम करने के लिए आपको किन गलत आदतों को छोड़ देना चाहिए।

उंगलियों और हथेली में पीलापन

एक रिपोर्ट के अनुसार, खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर त्वचा पीले रंग की नजर आ सकती है, खासतौर पर आंखों के आसपास। कभी-कभी हथेली और पैरों के तलवों में भी पीलापन महसूस हो सकता है।

हाथ-पैरों में झुनझुनी महसूस होना

हाथ-पैरों की उंगलियों की नसों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से आपको उंगलियों में झुनझुनी है। झुनझुनी का मतलब है कि किसी व्यक्ति की त्वचा में जलन, चुभन या सुई चुभोने जैसी अनुभूति होना। ध्यान रहे कि यह डायबिटीज का भी एक लक्षण है।

हाथ-पैरों की उंगलियों में दर्द

हाई कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हाथ-पैर की उंगलियों में दर्द से भी हो सकता है। जब हाथ-पैरों की रक्त धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा हो जाता है, तो उन्हें छूने से दर्द महसूस हो सकता है।

हथेली पर पीले रंग के धब्बे

खून की नसों में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने पर आपको हथेलियों या पैर के निचले हिस्से पर छोटे पीले और नारंगी रंग के धब्बे नजर आ सकते हैं। यह धब्बे आंखों की ऊपरी पलक पर भी दिख सकते है।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के नुकसान

ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने से क्रोनरी आर्टरी डिजीज, पेरिफेरल आर्टरी डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, चेस्ट पेन, पेट दर्द, पित्त की पथरी, नसों में झनझनाहट और पाचन से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हार्ट अटैक का खतरा होता है क्योंकि यह खून की नसों को ब्लॉक कर देता है, इसके कुछ लक्षण आपकी उंगलियों में दिख सकते हैं, कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए कुछ आदतों में सुधार जरूरी है।

छोड़ दें ये आदतें

- ट्रांस फैट, सैचुरेटेड फैट और रिफाइंड वाली चीजों के सेवन से कोलेस्ट्रॉल तेजी से बढ़ता है, इसलिए ऐसे चीजों से तौबा कर लें।
- अगर आप स्मोकिंग या ड्रिंक करते हैं, तो आज ही से इनसे दूरी बना लें। यह चीजें खून में तेजी से बैड कोलेस्ट्रॉल बनाती हैं।
- अगर आपका वजन बढ़ रहा है और आप इसे कंट्रोल करने के लिए कुछ नहीं कर रहे तो आपको कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का ज्यादा खतरा है।
- एक्सरसाइज नहीं करना कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का बड़ा कारण है। अगर आप किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी में शामिल नहीं हो रहे, तो सतर्क हो जाएं।
- बहुत अधिक तनाव में रहना भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का एक कारण है। स्ट्रेस हार्मोनल बढ़ने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का उत्पादन होता है।

रोज सुबह पिएं गर्म पानी, हेल्थ को होते हैं कई फायदे

शरीर के लिए पानी कितना अहम है इसके बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर रोज सुबह खाली पेट आप गर्म पानी पिएं तो हेल्थ को कई फायदे होते हैं।

पाचन रहे दुरुस्त

गर्म पानी पाचन में मदद करता है। ऐसा खाना जिसे पेट आसानी से पचा नहीं पा रहा हो उसे ब्रेक करने और पचाने में गर्म पानी काफी मदद करता है, इससे पेट साफ रहता है और पाचन संबंधी कोई और समस्या परेशान नहीं करती।

वेट लॉस

पाचन दुरुस्त रहे तो वेट लॉस में भी मदद मिलती है। साथ ही में गर्म पानी फैट लॉस में भी मदद करता है।

पेट दर्द व मरोड़ में राहत

पेट दर्द होने पर या मरोड़ चलने पर भी गर्म पानी काफी राहत देता है। हालांकि इसका ध्यान रहे कि पानी को धीरे-धीरे पिएं, एकदम से गर्म पानी पीना नुकसान कर सकता है। वहीं रोज सुबह गर्म पानी पिएंगे तो ये परेशानियां होंगी ही नहीं।

ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है

सुबह गर्म पानी पीने से ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन को सुधारने में भी मदद मिलती है, यह बीपी को नॉर्मल रखने में भी मदद करता है।

गला रहेगा साफ

अक्सर सुबह उठने पर लोग कफ की शिकायत करते हैं, ऐसे में गर्म पानी पीने पर उन्हें राहत महसूस होगी। गर्म पानी कफ की समस्या को दूर कर गले को साफ रखता है।

बॉडी होगी टॉक्सिन फ्री

शरीर के टॉक्सिन को बॉडी से बाहर निकालने में भी गर्म पानी काफी मदद करता है। यह न सिर्फ हेल्थ पर पॉजिटिव असर डालता है बल्कि स्किन पर भी ग्लो लाता है।

मीठा खाने से नहीं बल्कि खाने की इस चीज से बढ़ रहा है आपका वजन

अक्सर लोग पतला होने के लिए, सबसे पहले मीठे और कार्ब्स को अपनी थाली से दूर करते हैं। लेकिन, एक्सपर्ट के मुताबिक, खाने की एक और चीज इससे भी ज्यादा वजन बढ़ा सकती है। अक्सर लाख कोशिशों के बाद भी लोग वजन कम नहीं कर पाते हैं। कई बार खाने-पीने की कई सारी चीजों को छोड़ने के बाद भी वजन टस से मस नहीं होता है। तब दिमाग में सबसे पहला सवाल यही आता है कि आखिर क्यों वेट कम नहीं हो रहा है। वजन कम करने के लिए, सबसे पहले इसके बढ़ने के सही कारणों के बारे में जानना जरूरी है। महंगी डाइट फॉलो करना या लंबे वक्त तक भूखा रहना, मोटापा कम नहीं कर सकता है, बल्कि पोर्शन कंट्रोल और हेल्दी ईटिंग हैबिट्स से वजन कम करने में मदद मिलती है। अक्सर लोग पतला होने के लिए, सबसे पहले मीठे और कार्ब्स को अपनी थाली से दूर करते हैं। लेकिन, एक्सपर्ट के मुताबिक, खाने की एक और चीज इससे भी ज्यादा वजन बढ़ा सकती है। यह कौन सी चीज है और किस तरह आपका वजन बढ़ा रही हैं।

कुकिंग ऑयल

- कार्ब्स और शुगर से कहीं ज्यादा कुकिंग ऑयल वजन बढ़ा सकते हैं। आप खाना बनाते समय किस तरह के तेल का इस्तेमाल कर रही हैं और कितना तेल यूज कर रही है, यह आपकी सेहत पर असर डाल सकता है।
- कुकिंग ऑयल वजन बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हो सकता है। रिफाइंड ऑयल में अनहेल्दी फैट्स होते हैं, जो शरीर में चर्बी जमा कर सकते हैं।
- इसकी वजह से कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है और मेटाबॉलिज्म भी स्लो हो जाता है।
- रिफाइंड ऑयल के सेवन से इंसुलिन सेंसिटिविटी भी कम होती है और इसके कारण भी वजन बढ़ने लगता है।
- रिफाइंड ऑयल में बहुत अधिक कैलोरी होती है। इसके अधिक इस्तेमाल से कमर और पेट के आस-पास चर्बी जमने लगती है। इसकी वजह से बीपी और शुगर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। एक्सपर्ट की कहना है कि रिफाइंड ऑयल की जगह, घी, ऑलिव ऑयल और मस्टर्ड ऑयल का इस्तेमाल करें। ये शरीर में इंफ्लमेशन को कम करके दिल को सेहतमंद बनाने में मदद करते हैं।
- अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो डाइट में फाइबर और प्रोटीन से भरपूर चीजों को शामिल करें।

सर्दी-जुकाम और एलर्जी नहीं करेगी परेशान पिएं यह देसी ड्रिंक

बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम और एलर्जी अक्सर लोगों को परेशान करती है। इससे बचने में यह देसी ड्रिंक आपकी मदद कर सकता है। इसके फायदे और इसे बनाने का तरीका।

मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी, जुकाम और कई मौसमी इंफेक्शन्स परेशान करने लगते हैं। जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है, उन पर बदलते मौसम का असर जल्दी और ज्यादा होता है। ऐसे में बदलते मौसम के बीच, खुद को सेहतमंद रखना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए कई घरेलू नुस्खे कारगर हैं। हमारे घरों में हमेशा से मौसम के हिसाब से खान-पान और जीवनशैली में बदलाव होते रहे हैं। लगभग सभी घरों में गर्मी में शरीर को ठंडक देने, सर्दी में शरीर में अंदर से गर्म रखने और बदलते मौसम के बीच इम्यूनिटी मजबूत करके मौसमी एलर्जी से बचाने के लिए कई नुस्खे आजमाएं जाते रहे हैं। यहां हम आपको एक ऐसी ही देसी ड्रिंक के बारे में बता रहे हैं, जो आपको कई तरह की एलर्जी और इंफेक्शन से बचा सकती है। इस बारे में डाइटिशियन सिमरन कौर जानकारी दे रही हैं। वह सर्टिफाइड डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं। बदलते मौसम में इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए बेसन से बनाएं यह ड्रिंक

- अगर आपको सर्दी-खांसी और जुकाम परेशान करता है, तो इस ड्रिंक को जरूर पिएं।
- सर्दी-खांसी से बचाने के लिए बेसन का यह शीरा या बेसन का ड्रिंक कई सालों पुरानी हेल्दी रेसिपी है।
- बेसन एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इससे कफ दूर होता है और सर्दी-खांसी में राहत मिलती है।
- गुड़, बेसन, काली मिर्च और इलायची से बना यह ड्रिंक, बंद नाक को खोलने का काम करती है।
- सीने में जकड़न की वजह से अगर आपको सांस लेने में मुश्किल हो रही है, तो भी यह ड्रिंक फायदेमंद है।
- काली मिर्च में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। ये शरीर में इंफेक्शन्स से बचाती है। सर्दी-खांसी को दूर करने में भी यह फायदेमंद है।
- गुड़ की तासीर गर्म होती है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखता है।

एलर्जी से बचने के लिए बनाएं यह देसी ड्रिंक

सामग्री

- देसी घी- 3/4 कप
- बेसन- 3/4 कप
- गुड़- 1 टीस्पून
- पानी- 3 कप
- इलायची- 2
- काली मिर्च- 4
- बादाम- 4 (कटे हुए)

विधि

- बेसन को घी में अच्छे से भूनें।
- जब यह रंग बदलने लगे तो इसमें पानी मिला दें।
- अब इसमें गुड़, काली मिर्च, इलायची और बादाम डालकर इसे 1-2 मिनट पकाएं।
- आपकी हेल्दी ड्रिंक तैयार है।
- इसे आप एक मील की जगह ले सकती हैं।

तीन वार्डों में 72.66 लाख रुपये के विकास कार्यों का महापौर ने किया भूमिपूजन

सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण से क्षेत्रवासियों को मिलेगी बेहतर आवागमन और मूलभूत सुविधाएं

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए महापौर अलका बाघमार ने शहर के तीन वार्डों में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों की कुल लागत राशि 72.66 लाख रुपये है। विकास कार्यों के पूर्ण होने से संबंधित क्षेत्रों में सड़क, नाली एवं पुलिया जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। वार्ड क्रमांक 46 पद्मनाभपुर पूर्व में विभिन्न स्थानों पर आर.सी.सी. नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया, जिसकी लागत राशि 22.50 लाख रुपये है। वहीं वार्ड क्रमांक 22 में रेलवे लाइन के पास दुर्ग टेंट हाउस तक सड़क निर्माण कार्य, सामुदायिक शौचालय से नहर रोड तक नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य तथा पटरी पार क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों की कुल लागत राशि 44.16 लाख रुपये है। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 20 में कैटेल झा के घर से यादव के घर तक सड़क निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया। लगभग 6 दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड कमांक 21 के सिंधिया नगर स्थित स्ट्रीट नंबर-3 में पर्यावरण संरक्षण एवं शहर में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने सड़क किनारे करीब 60 से 70 छायादार पौधों का रोपण किया। पौधारोपण कार्यक्रम में पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर,एवं एमआईसी सदस्य शेखर चंद्राकर, वार्ड पार्षद विद्यावती सिंह, रंजीता, सावित्री दमाहे, भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह, संजय सिंह, उपअभियंता पंकज साहू सहित बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और शहर में हरियाली बढ़ाना हम सभी की

सिंधिया नगर में 60 से 70 छायादार पौधों का रोपण, महापौर ने दिया हरियाली का संदेश

पौधारोपण के साथ पौधों की देखभाल का लें संकल्प : महापौर

कचरा फैलाने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ निगम की चालानी कार्रवाई, 23 हजार रुपये वसूले

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगम आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार जोन क्रमांक-01 के वार्ड क्रमांक-03, मॉडल टाउन क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सूर्या मॉल परिसर में कचरा फैलाने, प्रतिष्ठानों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने तथा अनुज्ञप्ति लाइसेंस नहीं पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान कुल 23 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। कार्रवाई के तहत प्रबंधक सूर्या मॉल पर कचरा फैलाने के मामले में 6 हजार रुपये, हार्डकास्टल रेस्टोरेंट पर सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 4 हजार रुपये, दुआ लिमा रिटेल प्राइवेट लिमिटेड पर अनुज्ञप्ति लाइसेंस नहीं होने के कारण 10 हजार रुपये तथा इसी प्रतिष्ठान पर सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 3 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तथा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। प्रतिष्ठान संचालकों से स्वच्छता नियमों का पालन करने, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील की गई है।

मूलभूत सुविधाओं की मांग पूरी नहीं होने पर 24 को सांकेतिक धरना, एसडीएम को को दिया आवेदन

अमलेश्वर। नगर पालिका अमलेश्वर क्षेत्र की जनता से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं की मांगों को लेकर 10 सूत्री मांगों का अल्टीमेटम 10 अगस्त 2026 को मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अमलेश्वर को सौंपा गया था। अल्टीमेटम में नगर पालिका प्रशासन को मांगों का निराकरण करने के लिए समय दिया गया था तथा मांगें पूरी नहीं होने की स्थिति में धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी गई थी। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 20 अगस्त 2026 तक नगर की किसी भी मांग का निराकरण नहीं किया गया है। इससे नगर के पार्षदों एवं आम जनता में नगर पालिका प्रशासन के प्रति असंतोष एवं आक्रोश का माहौल है। मांगों के निराकरण में हो रही देरी के विरोध में 24 अगस्त 2026, सोमवार को सुबह 11 बजे से नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के सामने एक दिवसीय सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से जनहित की मांगों पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने की मांग की गई है।

निगम ने गंदगी फैलाने पर 3 हजार रुपये जुर्माना वसूला

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगम के जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 25 जवाहर नगर गौरव पथ मार्ग के पास गंदगी फैलाते पाए जाने पर रजनी ट्रेडर्स के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। निगम की टीम ने मौके पर निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान द्वारा आसपास गंदगी फैलाए जाने पर संबंधित संचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए 3,000 रुपये का जुर्माना वसूल किया। निगम अधिकारियों ने प्रतिष्ठान संचालकों एवं नागरिकों को सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैलाने तथा स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करने वालों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

रिमझिम सावन का भव्य आगाज, समाज सेविका कौशल्या देवी साय होंगी मुख्य अतिथि

डॉ. सरोज पाण्डेय अति-विशिष्ट अतिथि के रूप में करेंगी शिरकत, नगर निगम ने पूरी की तैयारियां

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी रिमझिम सावन-2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। सावन के उल्लास और महिलाओं की सहभागिता को समर्पित यह उत्सव 21 अगस्त 2026, शुक्रवार से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाज सेविका कौशल्या देवी साय तथा अति विशिष्ट अतिथि पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा डॉ. सरोज पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार करेंगी। महिलाओं के लिए होंगे विविध मनोरंजक आयोजन, सावन क्वीन बनेगा विशेष आकर्षण- महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में आयोजित तैयारियों की बैठक में सांस्कृतिक विभाग प्रभारी हर्षिका संभव जैन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग प्रभारी शशि साहू ने महिला पार्षदों तथा अधिकारी-कर्मचारियों के साथ कार्यक्रम की कार्ययोजना तैयार की। आयोजन में महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, मटकी फोड़, आलू दौड़, कंचा-चम्मच दौड़, बिंदी लगाओ प्रतियोगिता सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं में भाग लेने की इच्छुक प्रतिभागी सुबह 9 बजे से 10:30 बजे तक अपना पंजीयन करा सकेंगी। वहीं 'सावन क्वीन-2026' फैशन शो आयोजन का विशेष आकर्षण रहेगा, जिसमें प्रतिभागियों को भारतीय वेशभूषा एवं पारंपरिक परिधान में शामिल होना होगा।उत्सव में सजेगा महिलाओं के लिए खास मंच, स्टॉल और सांस्कृतिक गतिविधियां रहेंगी आकर्षण- नगर निगम द्वारा आयोजित रिमझिम सावन उत्सव का उद्देश्य महिलाओं को मनोरंजन, सहभागिता और उत्सव के माध्यम से एक बेहतर सामाजिक मंच उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम स्थल पर आकर्षक स्टॉल, खेलकूद प्रतियोगिताएं तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। नगर निगम द्वारा आयोजन को सफल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। महापौर अलका बाघमार ने शहरवासियों से अपील की है कि वे रिमझिम सावन-2026 उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन की रौनक बढ़ाएं तथा महिलाओं के उत्साहवर्धन के साथ इस उत्सव को सफल बनाएं।

निगम आयुक्त ने कामर्शियल काम्पलेक्स में पार्किंग, उद्यान, नाला, सुलभ शौचालय सहित ईएसआईसी डिस्पेंसरी का लिया जायजा

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कामर्शियल काम्पलेक्स पार्किंग स्थल, उद्यान, मोबाईल मेडिकल यूनिट, अवैध निर्माण, नाला, सुलभ शौचालय सहित खुर्सीपार स्थित ईएसआईसी डिस्पेंसरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक सुधार एवं व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने नेहरू नगर स्थित कामर्शियल काम्पलेक्स के रिक्त मैदान का निरीक्षण किया। उन्होंने मैदान की साफ-सफाई कराकर व्यवस्थित पार्किंग स्थल विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि कामर्शियल काम्पलेक्स में आने वाले नागरिकों को वाहन पार्क करने में सुविधा मिल सके। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित कर प्रकाश व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान देने कहा। इसके पश्चात आयुक्त ने बाल क्रीड़ा उद्यान का निरीक्षण किया और स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उद्यान की व्यवस्थाओं एवं उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। नागरिकों द्वारा बताई गई समस्याओं का निराकरण बरसात के पूर्व कराने के निर्देश दिए गए। निर्देशानुसार उद्यान में तत्काल अवांछित झाड़ियों की कटाई और ग्रास क्लियर किया गया है। आयुक्त ने मोबाईल मेडिकल यूनिट बस का भी निरीक्षण किया तथा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। आयुक्त ने मॉडल टाउन स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के पीछे किए गए अवैध निर्माण का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। मौके पर अवैध निर्माण पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके समीप स्थित नाले का भी निरीक्षण कर साफ-सफाई एवं जल निकासी की व्यवस्था का जायजा लिया गया। वार्ड क्रमांक 18 कट्टिकटर कॉलोनी पुरानी बस्ती में पूर्व निर्मित सुलभ शौचालय का निरीक्षण महापौर परिषद सदस्य लालचंद वर्मा के उपस्थिति में करते हुए आयुक्त ने आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र के नागरिकों को शौचालय की बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने शौचालय फेंसिंग, साफ-सफाई एवं रखरखाव पर भी ध्यान देने कहा। खुर्सीपार क्षेत्र में आयुक्त ने ईएसआईसी डिस्पेंसरी का निरीक्षण किया। डिस्पेंसरी भवन पुराना होने के कारण जर्जर स्थिति में हो गया है। इसे देखते हुए डिस्पेंसरी को पावर हाउस स्थित निगम स्वामित्व भवन में स्थानांतरित करने के संबंध में अधिकारियों के साथ चर्चा की गई, ताकि नागरिकों को सुरक्षित एवं बेहतर स्थान पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त दिनेश कोसरिया, येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, संजय वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, पुरुषोत्तम सिन्हा, रीमा जामुलकर, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, शरद दूबे एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना सहित निगम के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इंदिरा मार्केट के सार्वजनिक शौचालयों का सभापति श्याम शर्मा एवं प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने किया निरीक्षण

जर्जर मूत्रालयों के जीर्णोद्धार एवं नियमित साफ-सफाई के दिए निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत इंदिरा मार्केट क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालयों एवं मूत्रालयों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में निगम सभापति श्याम शर्मा एवं लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर निरीक्षण किया। इस दौरान ज्ञानेश्वर ताम्रकर, गुलशन साहू, मनीष कोठारी सहित निगम के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उपअभियंता पंकज साहू सहित अधिकारियों ने इंदिरा मार्केट क्षेत्र में स्थित विभिन्न सार्वजनिक शौचालयों एवं मूत्रालयों की स्थिति का जायजा लिया। सभापति श्याम शर्मा ने जर्जर एवं खराब स्थिति वाले सार्वजनिक मूत्रालयों को चिन्हांकित कर उनके जीर्णोद्धार तथा आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाजार क्षेत्र में आने वाले नागरिकों एवं व्यापारियों को बेहतर और स्वच्छ सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। व्यापारियों ने बताई समस्याएं, जल्द समाधान का मिला आश्वासन, इंदिरा मार्केट के व्यापारियों से संवाद कर मौके पर सुनी गईं समस्याएं- निरीक्षण के दौरान इंदिरा मार्केट के व्यापारी नितेश पटेल, जयंत ताम्रकर सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण उपस्थित रहे। व्यापारियों ने क्षेत्र के सार्वजनिक शौचालय एवं मूत्रालयों की जर्जर स्थिति, साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं से जुड़ी समस्याओं से सभापति एवं निगम अधिकारियों को अवगत कराया। सभापति श्याम शर्मा एवं लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि जर्जर सार्वजनिक मूत्रालयों के सुधार एवं आवश्यक निर्माण कार्य को जल्द कराया जाएगा, ताकि व्यापारियों और आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सार्वजनिक शौचालयों की रोजाना होगी सफाई स्वच्छता व्यवस्था में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, सभापति श्याम शर्मा ने निरीक्षण के दौरान निगम अधिकारियों को क्षेत्र के सभी सार्वजनिक एवं सुलभ शौचालयों की रोजाना नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाजार जैसे व्यस्त क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। शौचालयों में साफ-सफाई, पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की नियमित निगरानी की जाए, ताकि आम नागरिकों एवं व्यापारियों को स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में नगर निगम दुर्ग शहर की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के साथ-साथ स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक सुधार कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

बाढ़ आपदा पर मॉक ड्रिल

नागरिकों से सहयोग की अपील

गरियाबंद।। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गरियाबंद द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय, भारत सरकार तथा छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बाढ़ आपदा पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। यह अभ्यास सुबह 11 बजे नेशनल हाईवे 130 सी, तहसील गरियाबंद अंतर्गत निर्धारित स्थल पर किया गया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य जिले में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखना, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की स्थिति का आकलन करना तथा नागरिकों को बाढ़ जैसी आपदा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक करना है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह मॉक ड्रिल केवल प्रशिक्षण एवं अभ्यास की प्रक्रिया है। इसके दौरान नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रशासन ने सभी नागरिकों से अभ्यास के दौरान शांति बनाए रखने, अफवाहों से बचने तथा केवल सही एवं प्रमाणित जानकारी

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com